जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

बीकानेर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

बीकानेर, रविवार 28 सितम्बर, 2025

KEDIA®

बड़ी-बड़ी कोठी छोटी-छोटी प्राइस में

सिर्फ ₹4700/- Sq Ft

पजेशन पर ₹10 लाख प्राइस बढ़ेगी !

FIXED PRICE & RENTAL

PRODUCT TYPE	UNIT TYPE	SIZE	FIXED PRICE	PROPOSED RENTAL (AFTER POSSESSION)
WALK-UP APARTMENT	2 BHK (GF)	1350 Sq Ft	65 LACS	22,000
	3 BHK (SF)	1900 Sq Ft	75 LACS	25,000
	3 BHK (FF)	1900 Sq Ft	80 LACS	28,000
KOTHI	3 BHK BIG	2000 Sq Ft	1.05 CRORE	30,000
	4 BHK BIGGER	2325 Sq Ft	1.10 CRORE	40,000
	4 BHK BIGGEST	3200 Sq Ft	1.50 CRORE	50,000

95 दिनों में हैंडओवर शुरू

KEDIA सेजस्थान

KOTHI & WALK-UP APARTMENT

अजमेर रोड, जयपुर

FIXED PRICE GUARANTEED

NO MIDDLE-MEN

घर के लिए: 1800 120 2323

SCAN QR FOR
- LOCATION
- ROUTE MAP
- SITE 360 TOUR
- E-BROCHURE
- WALKTHROUGH

info@kedia.com
www.kedia.com
www.rera.rajasthan.gov.in
RERA No. RAJ/P/2023/2387

T&C Apply.

अशुद्ध के विरुद्ध आन्दोलन अशुद्ध के विरुद्ध

घर की ग्रोसरी के लिए: 1800 120 2727

KEDIA™ Pavitra

लाकाडोंग हल्दी पाउडर 250 g MRP ₹ 250 | धनिया पाउडर 250 g MRP ₹ 100 | मिर्ची पाउडर 250 g MRP ₹ 150

देशी गेहूँ 10 kg MRP ₹ 450
शरबती सुपीरियर आटा 5 kg MRP ₹ 350
सूजी 500 g MRP ₹ 40
गेहूँ दलिया 500 g MRP ₹ 40
बेसन 500 g MRP ₹ 70
देशी चक्की आटा 5 kg MRP ₹ 250
शरबती गेहूँ 10 kg MRP ₹ 650

COMING SOON:

दाल । चावल । कुकिंग ऑयल
मसाले । ड्राई फ्रूट्स । चाय

ORDER ON WEBSITE
ORDER ON APP
ORDER ON WHATSAPP

T&C Apply.

विचार बिन्दु

हमारी आनंदपूर्ण बदकारियाँ ही हमारी उत्पीड़क चाबुक बन जाती हैं। –शेक्सपियर

शहरी हरियाली में मृत्यु दर घटाने का रहस्य छुपा है

यजुर्विद संहिता का एक सूत्र है: हरित्समुच्चयः शुभहेतुरेषः, स्वस्थं शरीरं मनसश्च शान्तिम्। विनाशयत्याशु गदांस्तथान्याः, सृजत्ययुं दीर्घमथो समृद्धिम्।। तात्पर्य यह है कि हरियाली का विस्तार शुभ का कारण है। यह शरीर को स्वस्थ बनाती है और मन को शांति प्रदान करती है। यह शीघ्र ही रोगों और अन्य कष्टों को नष्ट करती है और दीर्घायु तथा समृद्धि को उत्पन्न करती है। आज की चर्चा इसके वैज्ञानिक विश्लेषण पर है।

कभी आपने सोचा है कि हमारे आसपास के हरे-भरे पेड़, पार्क और हरियाली हमें कैसे जिंदा रख सकते हैं? यह कहानी एक ऐसे सफर की है जहां विज्ञान और प्रकृति के बीच की अनदेखी डोर ने मानव जीवन को न केवल लंबा किया है, बल्कि इसे शांत और स्वस्थ भी बनाया है।कल्पना कीजिए, एक ऐसा दिन जब शहरों में हरियाली का नामो-निशान मिट चुका हो। हर तरफ केवल कंक्रीट का जंगल, धूल-धुआं और बेचैनी। यही तो आधुनिक शहरीकरण की सच्चाई है, जहां हरियाली कम होती जा रही है। लेकिन विज्ञान ने हमें बताया है कि यह कहानी किसी त्रासदी की ओर बढ़ सकती है। शोध बताते हैं कि जो लोग हरियाली के पास रहते हैं, उनकी मृत्यु दर कम होती है। यह केवल एक आंकड़ा नहीं, बल्कि जीवन और मृत्यु के बीच की कहानी है।

एक बूढ़ी महिला की कहानी लीजिए, जो शहरी कोलाहल में अपने घर की खिड़की से केवल कंक्रीट की इमारतें देखती है। वह अकेली रहती है, उसका स्वास्थ्य खराब है, और वह अक्सर अस्पताल जाती है। लेकिन एक दिन, उसकी बेटी उसे एक ऐसे घर में ले जाती है, जहां खिड़की के बाहर एक बड़ा बगीचा है। कुछ महीनों में, उसकी मानसिक स्थिति में सुधार होता है, उसकी हृदय गति सामान्य हो जाती है और वह पहले से बेहतर महसूस करने लगती है। यह कहानी केवल भावनात्मक नहीं है, बल्कि वैज्ञानिक है। अध्ययन बताते हैं कि हरियाली हृदय संबंधी बीमारियों, मानसिक तनाव और श्वसन तंत्र पर अद्भुत प्रभाव डालती है।

हरियाली का प्रभाव केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है। यह सामुदायिक स्तर पर भी लाभकारी है। ज़रा सोचिए, एक ऐसा इलाका जहां हरियाली की कमी हो, वहां अपराध दर अधिक होती है। लेकिन जैसे ही एक पार्क का निर्माण होता है, बच्चों के लिए खेलने की जगह मिलती है, वयस्कों के लिए टहलने के रास्ते बनते हैं, क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव आने लगते हैं। यह केवल एक सामाजिक परिवर्तन नहीं है, बल्कि स्वास्थ्य और कल्याण का विस्तार है।

क्या हरियाली के बिना भी जीवन संभव है? वैज्ञानिक दृष्टिकोण से देखें तो नहीं। चीन में एक अनोखा अध्ययन बताता है कि अत्यधिक ठंड या गर्मी से होने वाली मौतों को हरियाली नाटकीय रूप से कम कर सकती है। यह शोध स्पष्ट करता है कि हरियाली केवल सौंदर्य का स्त्रोत नहीं है, बल्कि यह जीवन रक्षक भी है। हरियाली केवल शारीरिक स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मानसिक शांति और दीर्घायु का आधार भी बन सकती है।

दक्षिण एशियाई देशों में हरियाली के महत्व को समझना और भी आवश्यक हो जाता है। शहरीकरण के कारण हरियाली के क्षेत्र सीमित हो गए हैं, जिससे शारीरिक गतिविधियों में कमी और संबंधित बीमारियों, जैसे मोटापा, मधुमेह और उच्च रक्तचाप, में वृद्धि हुई है। हरियाली को उपयोगी बनाने के लिए डिज़ाइन में सुधार आवश्यक है। उदाहरण के लिए, महिलाओं और बच्चों के लिए सुरक्षित और सुलभ पार्क बनाना, जहां वे बिना किसी डर के टहल सकें।

कम आय वाले और हाशिए पर पड़े समुदायों के लिए हरियाली का सकारात्मक प्रभाव अधिक होता है। गरीब और वंचित समुदाय, जिनके पास स्वास्थ्य सेवाओं और अन्य संसाधनों तक सीमित पहुंच होती है, हरियाली से अधिक लाभान्वित होते हैं। यह न केवल स्वास्थ्य असमानताओं को कम करने में मदद करता है, बल्कि सामाजिक समानता को बढ़ावा देने का भी एक प्रभावी साधन है।

क्या आप जानते हैं कि ब्लू स्पेस (जैसे तालाब, झील) का भी स्वास्थ्य पर प्रभाव हो सकता है? ब्लू और ग्रीन स्पेस का सम्मिलित प्रभाव श्वसन और कार्डियोवैस्कुलर बीमारियों से होने वाली मृत्यु दर को कम कर सकता है। शोध स्पष्ट करता है कि पानी और हरियाली के बीच का यह जुड़ाव हमारी सेहत के लिए कितना महत्वपूर्ण हो सकता है।

अब जरा एक छोटे लड़के की कल्पना करें, जो बड़े शहर में हरियाली के बिना पला-बढ़ा है। उसकी श्वसन समस्याएं बढ़ जाती हैं, और वह अक्सर अस्पताल जाता है। लेकिन जब वह एक गांव में अपने दादा-दादी के पास जाता है, जहां हर तरफ पेड़ और खेत हैं, तो उसका स्वास्थ्य बेहतर हो जाता है। यह सिर्फ एक कहानी नहीं है, बल्कि हकीकत है। अध्ययनों ने दिखाया है कि हरियाली केवल बीमारी को रोकने का साधन नहीं है, बल्कि यह पुनर्वास और उपचार का भी एक प्रभावी माध्यम हो सकती है।

नीचे प्रस्तुत शोध के आंकड़े और उनके निष्कर्षों में हरियाली और स्वास्थ्य के बीच संबंधों पर व्यापक और समग्र विवरण देखा जा सकता है।

अल्फ़ानो और साथियों (Environmental Research: 216, 2023) ने 538 नमूनों पर अध्ययन किया। उन्होंने गर्भावस्था के दौरान माताओं के हरियाली के संपर्क का नवजात शिशुओं के डीएनए मिथाइलेशन पर प्रभाव देखा। 147 डिफरेंशियली मिथाइलेटेड क्षेत्र की पहचान की गई, जिनमें से 85 क्षेत्रों ने प्रदूषण, सड़क की दूरी, शहरीकरण और पड़ोस की आय जैसे कारकों के बावजूद भी महत्वपूर्ण परिणाम दिखाए। यह अध्ययन हरियाली और आनुवंशिक प्रभावों के बीच संबंध को रेखांकित करता है।

कामी-बर्नाल और साथियों (Health and Place: 82, 2023) ने हरियाली और टाइप-2 मधुमेह के बीच संबंध पर 13 कोहोर्ट अध्ययनों का विश्लेषण किया, जिनमें 1,700 से 19,22,545 प्रतिभागी शामिल थे। उन्होंने पाया कि जिन व्यक्तियों को अधिक हरियाली का संपर्क मिला, उनमें टाइप-2 मधुमेह की घटनाएं कम थीं।

डिमाकोपुलू और साथियों (Frontiers in Epidemiology, 3, 2023) ने यूरोप के नौ देशों में 204 मिलियन व्यक्ति-वर्ष और 3.1 मिलियन मौतों के आंकड़ों का विश्लेषण किया। उन्होंने पाया कि पी.एम.2.5, नाइट्रोजन के ऑक्साइड और ब्लैक कार्बन के संपर्क से मृत्यु दर बढ़ती है, लेकिन हरियाली का उच्च स्तर इन नकारात्मक प्रभावों को कम कर सकता है।

इन शोधों ने हरियाली के व्यापक लाभों को दर्शाया है, जिसमें मृत्यु दर में कमी, स्वास्थ्य सुधार और सामाजिक असमानताओं को कम करने की क्षमता शामिल है। यह स्पष्ट है कि हरियाली मानव जीवन के विभिन्न पहलुओं को सकारात्मक रूप से प्रभावित करती है।

लियू और साथियों (Environmental Pollution, 301, 2022) ने 53 अध्ययनों का विश्लेषण किया, जिनमें 18 देशों के 100 मिलियन व्यक्ति शामिल थे। उनका मेटा-विश्लेषण दिखाता है कि एनडीवीआई (हरियाली का माप)में 0.1 की वृद्धि से कार्डियोवैस्कुलर मृत्यु दर में 2-3 प्रतिशत की कमी होती है।

अधिकारी और साथियों (The Lancet Planetary Health, 4, e135-e136, 2020) ने दक्षिण एशिया के संदर्भ में हरियाली और स्वास्थ्य का अध्ययन किया। उन्होंने यह पाया कि शहरीकरण के कारण हरियाली की कमी मोटापा, मधुमेह और उच्च रक्तचाप जैसी बीमारियों को बढ़ाती है। उन्होंने सुझाव दिया कि हरियाली के डिज़ाइन और उसकी उपलब्धता में सुधार के लिए नीतिगत प्रयासों की आवश्यकता है।

बर्ट्रेंड और साथियों (Public Health, 200:91-98, 2021) ने 13 एक्सपोजर-रिस्पॉन्स फंक्शनका उपयोग किया और निष्कर्ष निकाला कि एनडीवीआई में 0.1 की वृद्धि सामान्य मृत्यु दर के जोखिम अनुपात को 0.96 तक कम कर सकती है।

कुआ और ली (Perspectives in Public Health, 141: 342-353, 2021) ने 20 अध्ययनों (133,363 प्रतिभागी और 202 मिलियन व्यक्ति) का विश्लेषण किया और पाया कि हरियाली का अधिक संपर्क सामान्य मृत्यु दर को 3 प्रतिशत तक कम कर सकता है।

झोउ और साथियों (Sustainable Cities and Society, 116, 2024) ने 21 अध्ययनों का विश्लेषण किया और पाया कि ब्लू और ग्रीन स्पेस का संयुक्त प्रभाव श्वसन और हृदय संबंधी मृत्यु दर को कम करता है।

ही और साथियों (Science of the Total Environment, 851, 2022) स्ट्रोक से संबंधित मौतों का अध्ययन किया और निष्कर्ष निकाला कि हरियाली ने ठंड और गर्मी से संबंधित स्ट्रोक मृत्यु दर को कम किया। उच्च एनडीवीआई ने विशेष रूप से गर्मी के प्रभाव को कम करने में सहायता की।

रिगोलोन और साथियों (International Journal of Environmental Research and Public Health, 18: 1-29, 2021) ने 90 अध्ययनों का विश्लेषण किया और पाया कि गरीब और वंचित समुदाय हरियाली से अधिक लाभान्वित होते हैं। हरियाली इन समुदायों में स्वास्थ्य असमानताओं को कम करती है।

रॉजस-रुएडा और साथियों (The Lancet Planetary Health, 3:e469-e477, 2019) ने 8.3 मिलियन प्रतिभागियों पर नौ अध्ययनों का विश्लेषण किया और पाया कि एनडीवीआई में 0.1 की वृद्धि सामान्य मृत्यु दर को 4 प्रतिशत तक कम कर सकती है।

स्मिथ और साथियों (Cities, 119, 2021) ने ब्लू स्पेस के प्रभावों का विश्लेषण करते हुए पाया कि ब्लू स्पेस का संपर्क मोटापे और सामान्य मृत्यु दर में सुधार करता है।

युआन और साथियों (Aging Clinical and Experimental Research, 33:1783-1797, 2021) ने बुजुर्ग व्यक्तियों पर हरियाली के प्रभाव का अध्ययन किया और पाया कि हरियाली का संपर्क सामान्य और स्ट्रोक मृत्यु दर को कम करता है।

इसी प्रकार जरे सखाविदि इत्यादि (Science of the Total Environment, 838, 156180, 2022) द्वारा हरियाली और कैंसर के संबंध पर 18 अध्ययनों का मेटा-विश्लेषण बताता है कि फेफड़ों और अन्य प्रकार के कैंसर पर हरियाली के सकारात्मक प्रभाव के संकेत मिले।

इन शोधों ने हरियाली के व्यापक लाभों को दर्शाया है, जिसमें मृत्यु दर में कमी, स्वास्थ्य सुधार और सामाजिक असमानताओं को कम करने की क्षमता शामिल है। यह स्पष्ट है कि हरियाली मानव जीवन के विभिन्न पहलुओं को सकारात्मक रूप से प्रभावित करती है।

लेकिन हम इस ज्ञान का उपयोग कैसे कर सकते हैं? व्यक्तिगत स्तर पर, हम अपने आस-पास अधिक से अधिक पौधे लगा सकते हैं। पड़ोस के पार्क में नियमित रूप से समय बिताना हमारे स्वास्थ्य पर गहरा प्रभाव डाल सकता है। जैसा कि यजुर्विद संहिता में कहा गया है: वनं प्रविश्य प्रचलन्ति ये ते, धृतिं लभन्ते हृदये सदा वै। तनुः सुदृढ्या मनसः प्रसादं, विधाय सेव्यं शमयेत् व्यथाश्च।। तात्पर्य यह है कि वन में प्रवेश करके जो लोग पैदल भ्रमण करते हैं, वे सदा अपने हृदय में स्थिरता (धैर्य और शक्ति) प्राप्त करते हैं। उनका शरीर सुदृढ़ होता है और मन प्रसन्न हो जाता है। इस प्रकार,वन को सेवन करते हुए (वन में नियमित भ्रमण करते हुए), शारीरिक और मानसिक दुखों और कष्टों को शांत किया जा सकता है।

बच्चों को प्रकृति के संपर्क में लाना,उन्हें पेड़ों और हरियाली के महत्व के बारे में सिखाना भी एक महत्वपूर्ण कदम है। प्रशासन के लिए यह जरूरी है कि हरियाली को शहरी योजना का अभिन्न हिस्सा बनाया जाए। पार्कों का निर्माण, सार्वजनिक स्थानों पर हरियाली बढ़ाना और ब्लू-ग्रीन स्पेस का प्रबंधन इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम हो सकते हैं। इसके साथ ही, सामाजिक असमानता को ध्यान में रखते हुए ऐसी योजनाएं बनानी चाहिए, जो गरीब और वंचित समुदायों के लिए अधिक सुलभ हों।

हरियाली का महत्व केवल स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है। यह हमारी संस्कृति, हमारे समाज,और हमारे अस्तित्व का आधार है। यह हमें न केवल जिंदा रखती है, बल्कि हमें जीवन जीने का तरीका भी सिखाती है। यह समय है कि हम इस ज्ञान को अपनाएं और अपने जीवन में हरियाली को स्थान दें। आखिरकार, यह केवल पेड़ों और पौधों की बात नहीं है; यह हमारे जीवन की बात है। आइए, इसे संजोएं और संरक्षित करें।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ. दीप नारायण पाण्डेय
(भारतीय वन सेवा से सेवानिवृत्त तथा वर्तमान में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान में विजिटिंग प्रोफेसर)
(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं)

रोटी, कपड़ा और मकान में मकान ही लोकतंत्र की पहली शर्त

सुचित्रा आर्य

धरती पर कौन, कहाँ और किस परिवार में जन्म लेगा, यह मनुष्य के अधिकार क्षेत्र से परे है। जन्म का विधान स्वयं विधाता की योजना है। किंतु सृष्टिकर्ता ने जब मनुष्य को इस धरती पर भेजा, तो उसे प्रकृति के माध्यम से समानता का अमूल्य अधिकार भी प्रदान किया। प्रत्येक शिशु जब जीवन में प्रवेश करता है, तो उसके पोषण, सुरक्षा और अस्तित्व के अधिकार किसी से कम नहीं होते। किन्तु धरती पर आगमन के बाद यही समानता संसाधनों की होड़ और सामाजिक व्यवस्थाओं की विसंगतियों में बदल जाती है। यहीं से भेदभाव और असमानता का आरंभ होता है- सामाजिक, धार्मिक, लैंगिक और आर्थिक स्तर पर। परिणामस्वरूप, जहाँ एक वर्ग संसाधनों पर विशेष अधिकार जमा लेता है, वहीं गरीब और भूमिहीन परिवार जीवन के सबसे बुनियादी अधिकार-आवास भूमि-से वंचित रह जाते हैं। रोटी और कपड़ा श्रम व साधनों से जुट सकते हैं, किंतु आवासीय भूमि का अधिकार केवल राज्य की नीति और न्यायपूर्ण व्यवस्था से ही सुनिश्चित होता है। यह कैसा विडम्बनापूर्ण यथार्थ है कि जिस देश में पाँच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने, विश्व की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति होने और 25 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से बाहर निकालने के दावे किए जाते हैं, उसी देश में 80 करोड़ लोग आज भी मुफ्त राशन की कतारों में खड़े होने को विवश हैं। विडम्बना यह भी है कि एक विशाल जनसमुदाय अब तक आवासीय अधिकारों से वंचित है।

असंख्य घूमन्तु और बदहाल परिवार आज भी दर-दर की ठोकरें खा रहे हैं। उनके पास न स्थायी आवास है, न स्थायी पता। यही कारण है कि 'स्थायी पते' की शर्त के नाम पर उन्हें लोकतंत्र में मताधिकार से वंचित कर दिया जाता है। जब उनका कोई स्थायी पता नहीं, तो वे न तो सरकारी योजनाओं का लाभ ले पाते हैं और न ही मताधिकार का सही प्रयोग कर पाते हैं। कभी रोटी, कपड़ा और मकान को समान रूप से मूलभूत अधिकार कहा गया था। परंतु आज का यथार्थ यह बताता है कि मकान सबसे पहला आधार होना चाहिए, क्योंकि जब तक आवास नहीं होगा, तब तक न रोटी और कपड़े की स्थिरता होगी और न ही लोकतंत्र में भागीदारी का वास्तविक अधिकार सुनिश्चित हो सकेगा। भूमि-अधिकार असमानता का प्रत्यक्ष परिणाम अतिक्रमण के रूप में सामने आता है। यदि आज भौतिक सत्यापन किया जाए, तो यह स्पष्ट होगा कि लगभग 20 प्रतिशत भूमि पर स्वयं सरकारी संस्थानों का अवैध कब्ज़ा है। ऐसे में केवल आम जनता को दोषी ठहराना न्यायोचित नहीं कहा जा सकता। प्रशासन और नीतिगत उदासीनता इस समस्या की मूल वजह है। राज्यभर की ग्राम पंचायतों में अनेक राजकीय संस्थान-अस्पताल, विद्यालय, सहकारी समितियाँ, नंदीशालाएँ-गोचर, जोड़ और पायतन भूमि पर अनधिकृत रूप से स्थापित पाए जाते हैं। यह तब और भी गंभीर प्रतीत होती है जब सरकार के पास आधुनिक लैंड रिकॉर्ड सिस्टम और पर्याप्त मानव संसाधन होने के बावजूद लापरवाही देखी जाती है।

परंतु विडम्बना देखिए, यही एक रुपया गरीब के लिए बसने का अधिकार नहीं खरीद सकता। भूमिहीन व्यक्ति यदि विवश होकर राजकीय भूमि पर झोपड़ी खड़ी कर ले, तो न जाने कब न्यायालय के आदेश पर बुलडोज़र उसकी पूरी दुनिया उजाड़ दे। विशेष रूप से, ओबीसी, एससी और एसटी वर्ग इस संकट का सबसे अधिक शिकार हैं। आवासीय समानता का अधिकार केवल कानूनी प्रश्न नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय और संवैधानिक दायित्व का विषय है। जब तक ओबीसी, एससी और एसटी वर्ग की पीड़ा का समाधान नहीं होगा, तब तक समानता का स्वप्न अधूरा रहेगा। अतिक्रमण के समाधान के लिए आवश्यक है कि इसे आवासीय, व्यवसायिक, सरकारी और मार्ग-अवरुद्ध श्रेणियों में विभाजित किया जाए। जिन परिवारों आवसीय भूमि के आभाव में मजबूरी में आश्रय के लिए झोंपड़ी बनाई है, उन्हें अन्य अतिक्रमण से अलग मानते हुए संरक्षण दिया जाना चाहिए। वहीं व्यवसायिक और सरकारी अतिक्रमण पर कठोर कार्रवाई हो; राजनीतिक संरक्षण प्राप्त कब्ज़ों पर आर्थिक दंड लगे और अवैध निर्माण करने वाले सरकारी संस्थानों को जवाबदेह ठहराया जाए। साथ ही मार्ग और लोक-उपयोगिता की भूमि को प्राथमिकता से मुक्त कराया जाए, ताकि आमजन के आवागमन और सार्वजनिक हित में किसी प्रकार की बाधा न हो।

–सुचित्रा आर्य,
पूर्व विधायक एवं सदस्य
ओबीसी काउंसिल प्रदेश कांग्रेस
राजस्थान

एक रंग से सबको नहीं लुभा सकते आप....

कुमार अजय

जयपुर में, आसमान में बादलों की आवाजाही है और महीने के मुताबिक ही, बहुत सुहावनी हवा चल रही है। हालांकि चूरू और दूसरी जगहों पर बहुत गर्मी भी है और एयरकंडीशनर चल रहे हैं लेकिन यहां मौसम बहुत खुशनुमा है। छत पर खुले में सोने का अवसर अरसे बाद मिला है और इसका आनंद जानने वाले ही जानते हैं। खुले में सोना शारीरिक स्वास्थ्य के लिए तो अच्छा है ही बल्कि मूड भी बहुत ठीक रहता है। हालांकि रात को अचानक किसी पक्षी का चौंकना, कुत्ते का भौंकना या बिल्ली की कूदफांद डिस्टर्ब करती है फिर भी यह ठीक है। शहर में यह जरूर है कि रात को किसी भी वक्त उठो, आस-पड़ोस का एकाध घर तो जागते हुए ही नजर आता है क्योंकि सबकी अपनी-अपनी टाइमिंग है। कोई देर तक जागते रहता है और कोई सुबह बहुत जल्दी उठ जाता है। यहां डिस्टर्बेंस बहुत सारे हैं जबकि गांव में आठ-नौ बजे बाद वातावरण काफी शांत हो जाता है या यूं कहें कि शांत हो जाता था। अब तो क्या गांव और क्या शहर। गांवों में भी अब कितना-सा गांव रहा है। गांव में भी अब छत पर या बाखळ में खाट डालकर सोने वालों की तादाद अब काफी कम हो गई है। गर्मियों में बिजली कटौती पर रातभर आने वाले फोन बताते हैं कि अब छत की खुली हवा की जगह एयरकंडीशनर ने ले ली है।

सोशल मीडिया पर आपकी सामान्य पोस्ट पर आमतौर पर वही चिर-परिचित लोग आते हैं तो इसका मतलब यह नहीं कि केवल वही लोग आपकी पोस्ट देख रहे हैं। और बहुत सारे लोग आपको देख रहे होते हैं लेकिन वे अक्सर लाइक या कमेंट नहीं करते और नजर नहीं आते। ऐसे में कभी-कभी जब आप विषयांतर करेंगे तो पाएंगे कि कुछ दूसरे लोग भी 'आए' हैं। ये लोग आपको देखते तो रहते हैं लेकिन आमतौर पर खामोश रहते हैं।

यह कमाल ही है कि इस्तेमाल और शोषण करने वाले भी चाहते हैं कि आप थोड़े चतुर बनें और ऐसे न रहें कि हर कोई आपका इस्तेमाल या शोषण कर सके। इस्तेमाल में भी उन्हें एकाधिकार चाहिए। केवल वे ही चूसते रहें। और कोई यह न कर सके। उन्हें कौन बताए कि कम और ज्यादा तो हो सकता है लेकिन यह कैसे संभव है कि केवल आपके लिए किसी के द्वार खुले रहें और दूसरे हर किसी को दूर से ही इनकार हो जाए। हालांकि यह भी होता ही है। कोई-कोई ऐसा होता है जिसे जानते-समझते हुए भी आप ना नहीं कर सकते। बड़े-बुजुर्ग कहते हैं कि यह गणों की बात है। किसी-किसी के गण ऐसे भारी होते हैं कि आप उन्हें कभी मना नहीं कर पाते। मना नहीं कर पाना भी जीवन का एक कोढ़ है। एक स्वीकृति या मौन-सम्मति कभी-कभी 'लम्हों ने खता की, सदिया ने सजा पाई' साबित हो जाती है। फिर भी आमतौर पर तो यही है कि आपका स्वभाव कमोबेश एक जैसा ही रहेगा, चाहे सामने कोई भी हो। निभाव जिसकी प्रकृति में है, वह सभी से निभाएगा। आप जिस रिश्ते में हैं, आपसे निभाएगा। दूसरे जिस रिश्ते में हैं, उनसे भी निभाएगा।

महिला और पुरुष केवल भाई-बहिन या पति-पत्नी ही हों, जरूरी नहीं। कोई तीसरा भी रिश्ता होता है, जो बहुत प्यारा होता है। बचपन के अबोध दिनों में आपके साथ खेले, पढ़े, संगति में रहे लोग इसमें हो सकते हैं, आपके ऑफिस के सहयोगी हो सकते हैं, आपकी गांव-गली-गुवाड़ के साथ हो सकते हैं। और निजता चाहने का मतलब यह नहीं कि रिश्ता अवैध ही हो या आपके चरित्र को संकट में खड़े करता ही हो। अच्छे संबंधों में भी निजता चाही ही जा सकती है। ईर्ष्या मनुष्य का सहज स्वभाव है और यह चूंकि हर कहीं है ही, इसलिए इसे स्वीकार भी किया ही जा सकता है। हम अक्सर उन लोगों से जलते रहते हैं जिनके पास हमसे बहुत कम होता है। हम ईर्ष्या के नहीं, दया के पात्र हैं। अंजलि का विवाह बनारस के राजू से हुआ। राजू की आर्थिक हालत खराब होने पर उसे छोड़कर यहां आ गई और अल्केश के साथ अजमेर में रहने लगी। मंगलवार रात वह आनासागर में 10.30 बजे से 1.30 बजे तक तीन साल की बेटी काव्या को लिए घूमती रही। बेटी को गहरी नींद में सुलाया। वह वह सो गई तो बिना रेलिंग वाली जगह से उसे पानी में फेंककर हमेशा के लिए सुला दिया। विवाह, प्रेम और लिव इन से जुड़े ऐसे अजीबोगरीब किस्से रोज सामने आ रहे हैं। एक से बढ़कर एक। हालांकि जैसी घटनाएं हैं, इसे प्रेम कहना तो प्रेम का मजाक ही है। जाने किस दिशा में जा रहे हैं हम। सब लोग मोबाइल को कोसने में लगे हैं लेकिन कितने कमजोर हैं हम कि एक मोबाइल हमारे दिल और जहन पर हावी हुआ जा रहा है। मैं मोबाइल को बेगुनाह नहीं कहता लेकिन सच यह है कि कमजोरियां हमारे भीतर छिपी हुई हैं। हमें जाने किसकी तलाश है। रिश्तों में जाने क्या चाहते हैं हम। यह क्या प्यास है, कौनसी भूख है, कौनसी कुंठा है, जिसे मोबाइल नाम के इस छोटे से यंत्र ने जगा दिया है। केवल मोबाइल या रील्स के नाम पर ठीकरा फोड़कर क्या हम मुक्त हो सकते हैं।

–कुमार अजय,
उपनिदेशक,
सूचना एंव जनसंपर्क विभाग।

करेंसी प्रबंधन में लापरवाही : सिक्कों की लागत से लेकर भ्रष्टाचार तक का जाल

सुनील दत्त गोयल

भारत की आर्थिक व्यवस्था में नकदी और सिक्कों का महत्व किसी से छुपा नहीं है। लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति यह है कि जिस संवेदनशीलता और दूरदर्शिता के साथ देश में मुद्रा प्रबंधन होना चाहिए, वह नदारद दिखाई देती है। हालात इतने गंभीर हो गए हैं कि आज सरकार और आरबीआई के अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाना ही नहीं, बल्कि कठोर कार्रवाई की आवश्यकता भी महसूस हो रही है।

आज से चालीस साल पहले जब एक पैसे और पाँच पैसे के सिक्के प्रचलन में थे, तब शायद ही किसी ने सोचा होगा कि एक दिन बीस रुपये के सिक्के भी बाजार में उतारे जाएंगे। लेकिन इस सफर में सरकार ने कभी यह नहीं सोचा कि जिस सिक्के को वह जारी कर रही है, उसकी लागत सरकार को कितनी भारी पड़ रही है। उदाहरण के लिए, आज सिक्का बनाने में ही सरकार को उसकी मुद्रा से अधिक की लागत आती है। यानी, सरकार प्रत्येक सिक्के पर सीधा घाटा झेल रही है।

मैं आपको जयपुर स्थित भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) की शाखा, जो रामबाग सर्किल पर स्थित है, के बारे में एक कड़वा सच बताने जा रहा हूँ। यहाँ पर बैंक खुलने के दो घंटे पहले ही लोगों की लंबी लाइन लग जाती है। यह कोई सामान्य लाइन नहीं होती, बल्कि इनमें स्थायी (परमानेंट) लोग होते हैं जो सुबह से शाम तक वहीं मौजूद रहते हैं।

चाहे वह सिक्के लेने आए हों या नए नोटों की गड्डियां, इन कतारों में ज्यादातर लोग एक विशेष धर्म और संप्रदाय से जुड़े हुए होते हैं। दुखद बात यह है कि के गार्ड से लेकर नोट और सिक्के जारी करने वाले कर्मचारियों और अधिकारियों तक, सब इस गोरखधंधे में शामिल होने से इंकार नहीं किया जा सकता। इसका सीधा मतलब है कि ये लोग किसी और माफिया के लिए काम कर रहे हैं, और बदले में उन्हें कमीशन मिलता है।

सबसे बड़ी विडंबना यह है कि सब कुछ जानते हुए भी वहाँ कोई उन्हें रोकने वाला नहीं है। यह देखकर बेहद अफसोस होता है कि आखिर सरकार की इंटेलिजेंस एजेंसियां और पुलिस अधिकारी इन सब से अनजान कैसे हो सकते हैं? सूत्रों के अनुसार, जब आरबीआई का स्टाफ नए नोट या सिक्के बैंकों को जारी करता है, तो पहले ही बैंक शाखा में अधिकारियों को फोन कर दिया जाता है कि "हमारा आदमी" आने वाला है। शाखा प्रबंधक मजबूरी में उस "आदमी" को नए नोटों की गड्डियां दे देते हैं क्योंकि वे आरबीआई के स्टाफ से टकराव नहीं कर सकते। इसका नतीजा यह है कि आम जनता तक 10 और 20 रुपये के नए सिक्के या नोट बहुत कम मात्रा में पहुंचते हैं, जबकि रिकॉर्ड में यह दिखाया जाता है कि भारी मात्रा में सिक्के और नोट जारी किए गए। असल में यह नोट और सिक्के ब्लैक मार्केट में बेचे जाते हैं।

10 और 20 के सिक्कों की असली कीमत उनकी अंकित कीमत से कहीं अधिक है। उदाहरण के लिए, 10 का सिक्का गलाने पर उसका मेटल 13 से 14 तक बिकता है। नतीजा यह है कि संगठित गिरोह इन सिक्कों को बड़ी मात्रा में इकट्ठा कर गलाते हैं और मेटल के रूप में बेचते हैं। यह गतिविधि खुलेआम हो रही है और सरकार तथा इंटेलिजेंस एजेंसियों को इसकी जानकारी होनी चाहिये। इसके बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हो रही, जो यह दर्शाता है कि कहीं न कहीं ये एजेंसियां भी इस गोरखधंधे का हिस्सा बन चुकी हैं या जानबूझकर आंख मूंदे हुए हैं।

प्रधानमंत्री से अपील : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दूरदर्शी नेता माना जाता है। उनसे अपेक्षा की जाती है कि वे इस गंभीर मुद्दे पर तत्काल संज्ञान लें। सरकार को चाहिए कि 20 तक के सिक्के और छोटे मूल्यवर्ग की करेंसी का निर्माण बंद करे। साथ ही, यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि किसी भी करेंसी की उत्पादन लागत उसकी अंकित मूल्य के 20 प्रतिशत से अधिक न हो। उदाहरण के लिए, यदि सरकार 20 का सिक्का बना रही है, तो उसकी लागत 4 से अधिक नहीं होनी चाहिए।

छोटे मूल्य के सिक्कों के लिए यह लागत और भी कम – लगभग 1.50 से 2 के बीच रहनी चाहिए। मेरा सरकार को सुझाव यह है कि वर्तमान में जितने भी सिक्के प्रचलन में हैं, उनका साइज़ वही रखा जाए, लेकिन उनका वज़न और उनमें उपयोग होने वाली धातु के मिश्रण व लागत कम की जाए। यह लागत इतनी कम होनी चाहिए कि यदि कोई व्यक्ति उस सिक्के को गलाकर बेचना भी चाहे, तो उसे उसके मुद्रित मूल्य के आधे दाम से भी कम मिले। इससे न केवल सरकार का राजकोषीय घाटा कम होगा, बल्कि सिक्कों के निर्माण में लगने वाली लागत भी घटेगी। साथ ही, इस तरह की कालाबाजारी और अवैध धंधे जो आजकल चल रहे हैं, वे स्वतः ही बंद हो जाएंगे।

निष्कर्ष : करेंसी केवल लेन-देन का माध्यम नहीं, बल्कि देश की आर्थिक साख का प्रतीक है। जब सिक्कों की लागत ही उनकी अंकित कीमत से अधिक हो जाए और संस्थानों में भ्रष्टाचार घर कर ले, तो यह न केवल आर्थिक खतरा है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा का भी मुद्दा बन जाता है। सरकार को चाहिए कि वह इस मुद्दे को गंभीरता से लेते हुए तत्काल कार्रवाई करे। अन्यथा, आने वाले वर्षों में यह समस्या इतनी विकराल हो सकती है कि देश की अर्थव्यवस्था को भारी क्षित पहुंचेगी। देशवासी उम्मीद करते हैं कि केन्द्र सरकार इस मुद्दे को प्राथमिकता देंगे और मुद्रा प्रबंधन को सही दिशा में ले जाने के लिए कड़े कदम उठाएंगे।

रोटेरियन सुनील दत्त गोयल
महानिदेशक, इम्पीरियल
चैंबर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री

राशिफल रविवार 28 सितम्बर, 2025

पंडित अनिल शर्मा

आश्विन मास, शुक्ल पक्ष, षष्ठि तिथि, रविवार, विक्रम संवत 2082, ज्येष्ठा नक्षत्र रात्रि 3:55 तक, आयुष्मान योग रात्रि 12:32 तक, तैतिल करण दिन 2:28 तक, चन्द्रमा आज रात्रि 3:55 से धनु राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-कन्या, चन्द्रमा-वृश्चिक, मंगल-तुला, बुध-कन्या, गुरू-मिथुन, शुक्र-सिंह, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज रवियोग रात्रि 3:55 तक है। सर्वार्थ सिद्धि योग रात्रि 3:55 से सूर्योदय तक है। आज छठ पूजन, तप षष्ठी है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 7:51 से 9:20 तक, लाभ-अमृत 9:20 से 12:18 तक, शुभ 1:47 से 3:16 तक।

राहूकाल: 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 6:22, सूर्यास्त 6:14

मेष

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। परिवार में वाद-विवाद हो सकते हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

वृष

परिवार में आपसी सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। धार्मिक-मांगलिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा।

मिथुन

विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा।

कर्क
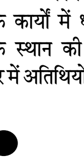

परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। धार्मिक कार्यों में धन खर्च हो सकता है। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

सिंह

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है। स्वास्थ्य संबंधित मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी।

कन्या

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। आज नये-पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है।

तुला

आर्थिक कारणों से अटके हुए व्यावसायिक कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। घर-परिवार में चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे।

वृश्चिक
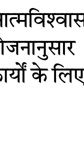

मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यक्तिगत कार्यों के लिए बाहर जाना पड़ सकता है।

धनु

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है।

मकर

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन हो सकता है। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है।

कुंभ

अपने अति आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। आज प्रयासों में उचित सफलता मिल सकती है। परिवार में रचनात्मक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मीन
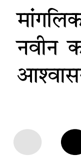

धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

बीकानेर

Rashtradoot

फोनः- 2200660 फैक्स : 0151-2527371 वर्षः 47 संख्याः 66 प्रभात बीकानेर, रविवार 28 सितम्बर, 2025 डाक प.स.बीकानेर/045/2020-22 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रू.

एक पाकिस्तानी नागरिक गिरफ्तार हुआ है, वांगचुक के आंदोलन की वीडियो सीमा पार भेजते हुए

अगर यह केवल अफवाह भी है तो भी भारत के लिए खतरनाक है, क्योंकि सामरिक दृष्टि से अतिमहत्वपूर्ण इस क्षेत्र में ''अस्थिरता'' पैदा हाने की संभावना के परिणाम स्थानीय राजनीति तक सीमित नहीं हैं

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 सितंबर। लद्दाख में जो विरोध प्रदर्शन एक स्थानीय आंदोलन के रूप में शुरू हुआ था, वह तेजी से राष्ट्रीय सुरक्षा का मुद्दा बन गया है। कभी अपनी शांति और सहनशीलता के लिए मशहूर यह क्षेत्र अब हिंसक अशांति का गवाह बन रहा है। रणनीतिक विशेषज्ञ चेतावनी दे रहे हैं कि ये हालात भारत की सबसे संवेदनशील सीमा पर खतरे का मुकाबला करने की क्षमता को कमजोर कर सकते हैं।

भू-रणनीतिक विशेषज्ञ (जिओ स्ट्रैटजिस्ट) ब्रह्मा चेलानी ने कड़ी चेतावनी दी है कि लद्दाख में बढ़ती अस्थिरता सिर्फ एक आंतरिक शासन की समस्या नहीं है, बल्कि यह भारत की सीमा रक्षा व्यवस्था, खासकर चीन के खिलाफ, को सीधी चुनौती है। चेलानी ने एक्स (पहले ट्विटर) पर लिखा, ''सन् 2020 से लद्दाख में भारत-चीन सीमा तनाव का केन्द्र रहा है।'' उन्होंने कहा, यहाँ की अशांति भारत की सामरिक तैयारी को कमजोर कर सकती है, जबकि यह इलाका देश की उत्तरी रक्षा पंक्ति का अग्रिम मोर्चा है।

- **चर्चा के साथ यह भी कहा जा रहा है कि वांगचुक चुपचाप पाकिस्तान भी गये थे और वांगचुक को विदेशी सहायता भी मिलती है, अपनी गतिविधियाँ जारी रखने के लिए।**
- **वांगचुक दूसरी ओर पुरजोर ढंग से कह रहे हैं कि उनका आंदोलन शांतिपूर्ण है तथा कोई विदेशी हाथ नहीं है। आंदोलन का आधार, केन्द्रीय सरकार के खिलाफ जनता में वादाखिलाफी की शिकायत घर कर गई है, जहाँ तक क्षेत्र को राज्य का दर्जा देने की बात है तथा स्थानीय जनता केन्द्रीय सरकार पर भावात्मक दूरी व अवहेलना बरतने का आरोप लगा रही है।**
- **लद्दाख, चीन के कब्जे में मौजूद अक्साई चिन तथा पाक अधिकृत भूमि के बीच में है तथा चीन भारत के आंतरिक मतभेदों का लाभ उठाकर जनता में असंतोष को हवा देता है। स्थानीय असंतोष अगर बढ़ जाता है तो जमीनी जानकारियाँ भारत के सुरक्षा बलों तक नहीं पहुँच पातीं तथा स्थानीय स्तर पर इंटैलिजैंस इकट्ठा करना मुश्किल हो जाता है।**

लद्दाख, जो चीन के कब्जे वाले अक्साई चिन और पाकिस्तान अधिकृत इलाकों के बीच स्थित है, की स्थिति इसे एशिया का भू-राजनीतिक रूप से सबसे संवेदनशील बनाती है। यहाँ कोई भी आंतरिक अस्थिरता भारत, चीन सीमा, ''लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल (एलएसी) पर निगरानी रखने की क्षमता को कमजोर करती है, जहाँ के जमीनी हालात, 2020 में चीन की सेना की गलवान झड़पों के बाद से बदल चुके हैं। इसलिए यह अशांति केवल स्थानीय राजनीति तक सीमित नहीं है।

इस हफ्ते के विरोध प्रदर्शन, अधूरे राजनीतिक वादों, पर्यावरणीय क्षति और दिल्ली की कथित उपेक्षा के कारण भड़के हैं, जिसने लद्दाख की शांतिपूर्ण छवि को तहस-नहस कर दिया है। चेलानी के अनुसार, यह असंतोष खतरे की घंटी है। उन्होंने कहा, ''लद्दाख की

(शेष पृष्ठ 5 पर)

ट्रंप को नहीं मिलेगा नोबेल शांति सम्मान

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 सितंबर। नोबेल समिति ने चुपचाप डॉनल्ड ट्रंप का नाम शांति पुरुस्कार के दावेदारों की सूची से हटा दिया है।

समिति ने अंतर्राष्ट्रीय मानदंड़ों के उल्लंघन और लगातार चली आ रहीं आपराधिक कार्यवाहियों का हवाला देते हुए, उनका नाम सूची से हटा दिया है।

- **नोबल कमेटी ने उनका नाम दावेदारों की लिस्ट से हटा दिया है, क्योंकि वे न केवल अंतर्राष्ट्रीय मानदंड़ों का उल्लंघन कर रहे हैं, बल्कि उनके खिलाफ अपराधिक कार्यवाहियां भी चल रही हैं।**

नॉर्वे, अल्फ्रेड नोबेल की मृत्यु के दिन, 10 दिसंबर को शांति पुरुस्कार प्रदान करता है। नोबेल शांति पुरुस्कार उन नोबेल पुरुस्कारों में से एक है, जो स्वीडिश उद्योगपति, आविष्कारक और हथियार निर्माता अल्फ्रेड नोबेल की इच्छा से शुरु किया गया था।

इसके अलावा, रसायन विज्ञान, भौतिकी, चिकित्सा या चिकित्सा विज्ञान और साहित्य में भी नोबेल पुरुस्कार दिए जाते है।

सदा की भांति, रेल मंत्रालय बिहार पर नये प्रोजैक्ट्स की बारिश करने में मशगूल है

पर, विपक्ष भी पीछे नहीं है, रेल मंत्रालय की इन सौगातों की हवा निकालने में

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 सितम्बर। रेल बजट को 2017 में सामान्य बजट में मिलाने के बाद यह माना गया था कि रेल से जुड़ी लोकलुभावन राजनीति पर रोक लग जाएगी। लेकिन हुआ इसका उलटा। हर चुनावी राज्य में आचार संहिता लागू होने से पहले रेल परियोजनाओं की बौछार की जाती है। हरियाणा और महाराष्ट्र जहाँ इस साल के आरंभ में चुनाव हुये थे, के बाद, अब बिहार को भी इन दिनों कई बुनियादी इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्टों की सौगात मिल रही है।

रेल और सड़क निर्माण एनडीए सरकार के विकास एजेंडे का मुख्य हिस्सा बने हुए हैं। इसी हफ्ते केन्द्रीय कैबिनेट ने इन दोनों क्षेत्रों की परियोजनाओं को कुल 6014 करोड़ रुपये की मंजूरी दी। इसमें साहेबगंज-अरेराज-बेतिया खंड पर 78.94 किलोमीटर लंबा चार लेन हाईवे बनाने की योजना शामिल है। यह सड़क हाइब्रिड एन्यूटी मोड पर बनेगी और पटना को बेतिया से जोड़ेगी।

बुधवार को केन्द्रीय कैबिनेट ने राज्य में 104 किलोमीटर लंबी बख्तियारपुर-राजगीर-तिलैया रेल लाइन को डबल करने की भी मंजूरी दी। यह रूट कोयला, क्लिंकर, फ्लाई ऐश और सीमेंट जैसी वस्तुओं की माल ढुलाई के लिए अहम माना जाता है। पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के तहत बनने वाली इस परियोजना की अनुमानित लागत लगभग 2192 करोड़ रुपये है।

- **प्रशांत किशोर, जिनका इस बार बिहार चुनाव में भाजपा विरोधी रुख है, केन्द्रीय सरकार पर सीधा आरोप लगा रहे हैं कि सरकार गुजरात में एक के बाद एक इण्डस्ट्री लगाती जा रही है। पर, बिहार में गैर ए.सी. अमृत भारत रेल गाड़ियां शुरु कर रही है, जिससे बिहार का ''चीप लेबर'' अन्य विकसित राज्यों में जाकर भवन निर्माण आदि में काम करे, ये क्या सौगात हुई।**

इससे पहले रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कई परियोजनाओं की घोषणा की थी, जिनमें आठ नई ट्रेनों की शुरुआत भी शामिल है। इनमें नई बनाई गई ''अमृत भारत'' श्रेणी की ट्रेनें भी हैं। इनमें से पाँच लंबी दूरी की ट्रेनें बिहार के विभिन्न हिस्सों को नई दिल्ली और मुंबई जैसे महानगरों से जोड़ेंगी, जबकि बाकी तीन ट्रेनें स्थानीय मार्गों पर चलेंगी। विपक्ष ने बिहार की उपेक्षा का आरोप लगाया है, जबकि राज्य में एनडीए की डबल इंजन सरकार है। सबसे तीखी आलोचना जन सुराज नेता और पूर्व चुनाव रणनीतिकार प्रशांत किशोर की ओर से आई। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जहां गुजरात और दूसरे राज्यों में उद्योग लगा रहे हैं, वहीं बिहार के लिए नॉन-एसी अमृत भारत ट्रेनें शुरू कर सस्ते मजदूरों को दूसरे विकसित राज्यों में काम करने के लिये भेजने की तैयारी कर रहे हैं।

लेकिन ऐसी आलोचनाओं का एनडीए सरकार की परियोजना, घोषणाओं पर कोई असर नहीं दिख रहा। इस महीने की शुरुआत में कैबिनेट ने भागलपुर लाइन के मोकामा-मुंगेर

(शेष पृष्ठ 5 पर)

बजरी माफिया से सांठगांठ मामले में मांडल एसएचओ, एएसआई व हैड कांस्टेबल सस्पेंड

बजरी खनन को लेकर की गई कार्रवाई में जेसीबी और अन्य वाहन बदलने की शिकायत सामने आई थी

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले की मांडल थाना पुलिस और बजरी माफिया से सांठ-गांठ को लेकर जिला पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह ने बड़ा एक्शन लेते हुए मांडल एसएचओ विक्रम सेवावत, एएसआई नंदलाल गुर्जर और हैड कांस्टेबल राजेंद्र सिंह को सस्पेंड कर दिया है। बजरी खनन को लेकर की गई कार्रवाई में जेसीबी और अन्य वाहन बदलने की शिकायत सामने आई थी, जिसकी एसपी ने मांडल डिप्टी मेघा गोयल से जांच करवाई थी। थाने के सीसीटीवी फुटेज चैक किए गए। इसमें जो जेसीबी दिखी और ई-साक्ष्य पर जो एसीबी की तस्वीर अपलोड की गई। दोनों में अंतर था। इस बीच, दो दिन पहले बजरी माफिया से भी रिश्वत मांगने की शिकायत पर एसीबी ट्रैप करने पहुंची, लेकिन एसएचओ के थाने में नहीं मिलने से ट्रैप नहीं हो पाया।

जब्ती में थाने में नई की जगह रखी पुरानी जेसीबी।

मांडल एसएचओ विक्रम सेवावत

- डीएसपी मेघा गोयल से पूरे मामले की जांच करवाई, जांच में ई-साक्ष्य सहित अन्य दस्तावेज खंगाले गए और गवाहों के बयान भी लिए गए
- दो दिन पहले बजरी माफिया से भी रिश्वत मांगने की शिकायत पर एसीबी ट्रैप करने पहुंची, लेकिन एसएचओ के थाने में नहीं मिलने से ट्रैप नहीं हो पाया

जानकारी के अनुसार मांडल थाना क्षेत्र में गत दिनों पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की थी। पुलिस ने तीन-चार वाहन जब्त कर बजरी माफिया पर मामला भी दर्ज किया था। इस कार्रवाई के बाद शिकायत मिली कि मौके से जो नई जेसीबी पकड़ी गई, वह थाने पहुंचते-पहुंचते बदल गई। दिखाई गई पुरानी जेसीबी मौके से पकड़ी गई नई जेसीबी से अलग थी। इस संबंध में एसपी धर्मेंद्र सिंह तक शिकायत पहुंची तो उन्होंने डीएसपी मेघा गोयल से पूरे मामले की जांच करवाई। जांच में ई-साक्ष्य सहित अन्य दस्तावेज खंगाले गए और गवाहों से बयान भी लिए गए। इसमें शिकायत सही पाई गई। इसके बाद एसपी धर्मेंद्रसिंह ने शुक्रवार को एसएचओ विक्रम सेवावत, एएसआई नंदलाल गुर्जर और हैड कांस्टेबल राजेंद्र सिंह को सस्पेंड करने के आदेश जारी कर दिए।

ट्रैप चूकी एसीबी, कोठारी नदी में बजरी खनन के तोड़-बट्टे में मामला बिगड़ा :- सूत्रों के अनुसार एक-दो दिन पहले मांडल थाना इलाके में सरस डेयरी के पीछे स्थित कोठारी नदी में से बजरी माफिया को अवैध खनन करते पकड़ा गया। बजरी भरा वाहन पकड़ने के बाद उसे छोड़ने की एवज में थानाधिकारी के नाम पर अवैध रूप से करीब 50 हजार रुपए की राशि मांगी गई। बताया गया कि कुछ राशि दे भी दी गई, लेकिन राशि पूरी नहीं मिलने पर तोड़-बट्टा चलता रहा। इस बीच इसकी शिकायत एसीबी तक भी पहुंच गई। अवैध बजरी खनन करने वाला तोड़-बट्टे के बाद तय की गई राशि लेकर एसीबी के इशारे पर थाने पहुंच गया और किसी सिपाही के लिए थाने में पूछने लगा। ये सिपाही कुछ समय पहले ही थाने से रवाना हो चुका था। वहीं एसएचओ भी इस दिन जिले से बाहर थे, जिससे ट्रैप की कार्रवाई नहीं हो सकी और एसीबी को बैरंग लौटना पड़ गया। दूसरी ओर, मामला जब सोशल मीडिया पर उजागर किया तो एसपी धर्मेंद्र सिंह ने इसे गंभीरता से लेते हुए विभागीय स्तर पर जांच करवाई। प्रारंभिक जांच के बाद एसपी ने तीनों पुलिसकर्मियों को सस्पेंड कर दिया। वहीं सूत्रों से यह भी जानकारी मिली कि अवैध बजरी खनन करने वाले को पक्ष में करने की भी कवायद चल रही है।

खनन व क्रशर व्यापारी पर जानलेवा हमला

- पीड़ित का जबरन कैम्पर में डालकर अपहरण किया और मारपीट की

पावटा, (निसं)। प्रागपुरा थाना क्षेत्र के ग्राम बुचारा में एक खनन व क्रशर व्यापारी पर जानलेवा हमला कर मारपीट, लूट व अपहरण के प्रयास का मामला सामने आया हैं। इस सम्बंध में पीड़ित सुभाष चंद मीणा द्वारा प्रागपुरा थाने में मामला दर्ज करवाया गया है।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़ित ने दर्ज करवाया कि ग्राम बुचारा में उसकी एक खान व क्रशर हैं। विगत 18 सितम्बर को करीब प्रात: 9 बजे गांव के असामाजिक तत्व नामजद निवासी मीणों का बास, बुचारा अन्य 08-10 लोगों के साथ गैंग बनाकर कैम्पर में अवैध हथियार देशी कट्टा लेकर आ गये एवं आते ही फायरिंग करने लगे। रोकने पर प्रतिमाह 5 लाख रूपयों की मांग करते हुये रूपये नहीं देने पर खान नहीं चलने की धमकी देते हुये आग बबूला होकर पीड़ित सुभाष चंद व उसके भाई नरेन्द्र एवं विक्की पर हमला करते हुये मारपीट करने लगे। पीड़ित को जबरन कैम्पर में डालकर अपहरण कर सुनसान जगह में ले गये। जहां गंभीर मारपीट की। जिससे पीड़ित के दोनों पैरों में गहरी चोटें आई हैं। यही नहीं इस दौरान दो लाख रूपये किमत की दो सोने की अंगुठी व 25 हजार रूपये की नकदी भी पीड़ित के पास से निकाल ली। इस दौरान परिवादी के परिजनों व ग्रामीणों के मौके पर पहुंचने की सूचना पर फरार हो गये। रिपोर्ट में बताया कि बदमाश प्रवृति के उक्त असामाजिक तत्वों ने एक अपराध गिरोह बना रखा हैं जो खान व क्रेशर मालिकों से प्रतिमाह अवैध वसूली करते हैं। पीड़ित को भी 5 लाख रूपये नहीं देने पर जान से मारने की फिराक में हैं। इस सम्बंध में पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी हैं।

दुष्कर्म मामले में एक गिरफ्तार

श्रीगंगानगर, (निसं)। चूनावढ़ पुलिस ने नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार 21 अगस्त को थाना क्षेत्र के एक व्यक्ति ने बहन के अपहरण का मामला दर्ज करवाया था। मामले की जांच के दौरान 19 सितंबर को नाबालिग को दस्तयाब कर परिजनों को सौंपा गया। नाबालिग के बयानों के आधार पर आरोपियों के खिलाफ पोक्सो एक्ट व अन्य धाराओं में केस दर्ज किया गया। जांच में सामने आया कि नाबालिग लड़की की शादी करवाई गई। आरोपी पंजाब में छुप गए थे। इस केस में दो दिन पहले भी एक गिरफ्तारी हुई थी। जानकारी के अनुसार केस का मुख्य आरोपी अभी पुलिस की पकड़ से बाहर है। जिसकी गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

ट्रेनों को रुकवाकर यात्रियों से लूटपाट करने वाले गिरोह का पर्दाफाश

- टीम ने छापेमारी एक आरोपी को दबोच एक कार जब्त की, तीन जने फरार हो गए
- 7 अगस्त और 8 सितंबर को चार से पांच पैसेंजर गाड़ियों में मांडल से रायला स्टेशन के बीच ग्रीन सिग्नल को रेड करके ट्रेन को रुकवाया
- इसके चलते लोको पायलट को इमरजेंसी ब्रेक लगाने पड़े, ट्रेन के रुकने पर सवारियों से लूटपाट की थी

भीलवाड़ा, (निसं)। रेलवे पुलिस ने एक बड़े गिरोह का भंडाफोड़ किया है, जो लूट की वारदात को अंजाम देने के लिए पैसेंजर गाड़ियों में सैकड़ों सवारियों की जान जोखिम में डालने से भी पीछे नहीं हटते।

जानकारी के अनुसार 7 अगस्त और 8 सितंबर को चार से पांच पैसेंजर गाड़ियों में मांडल से रायला स्टेशन के बीच ग्रीन सिग्नल को रेड करके ट्रेन को रुकवाया। इसके चलते लोको पायलट को इमरजेंसी ब्रेक लगाने पड़े। जिस कारण हादसा हो सकता है। गनीमत रही कि ऐसा नहीं हुआ। ट्रेन के रुकने पर सवारियों से लूटपाट की। इस वारदात के बाद रेलवे पुलिस के लिए गुत्थी बन गई कि आखिर भीलवाड़ा जैसे शांत जिले में ऐसी कौनसी गैंग है जो इस पैटर्न पर लूटपाट करने लगी है। बड़ी वारदात और जनहानि की आशंका के चलते रेलवे के बड़े अधिकारी ने भी मौके पर पहुंचकर मुआयना किया है। इस गैंग के पता लगाने के लिए 14 सदस्यों की टीम बनाई गई, जिनमें रेलवे पुलिस, जीआरपी, साइबर सेल के एएसआई आशीष शर्मा और हैड कॉंस्टेबल दीपक सुथार की मदद ली गई। टीम ने तफ्तीश शुरू की तो पता चला कि सिग्नल को रेड करने के लिए पटरियों के खाली जगह में सिक्के डाल देते थे। इससे अचानक रेड होता और ट्रेन के ड्राइवर को इमरजेंसी ब्रेक लगाने पड़ते। फिर ट्रेन में चढ़कर लूटपाट करते हैं।

हैड कॉन्स्टेबल दीपक सुथार ने टावर लोकेशन निकालकर मोबाइल नंबर ट्रेस करने लगे तो पता चला कि हरियाणा के कुछ नंबर भी रेंज में आ रहे हैं। इधर, सीसीटीवी फुटेज में एक हरियाणा नंबर पासिंग की कार भी दिखी है। संयुक्त टीम ने छापेमारी की तो आरोपी विशाल उर्फ विशाल नेहरा को दबोच लिया। एक कार आई 20 को भी जब्त कर लिया। विशाल के साथी राहुल, बिट्टू व राकेश के ठिकानों पर दबिश दी गई लेकिन विशाल मेहरा की गिरफ्तारी की सूचना मिलते ही तीनों फरार हो गए। बताया जा रहा है कि आरोपी विशाल उर्फ विशाल मेहरा पर हरियाणा में पांच अपराधिक मामले दर्ज हैं। वांछित आरोपी राहुल पुत्र चैना निवासी टोहाना, हरियाणा के खिलाफ इस तरह के की घटनाओं के विभिन्न राज्यों में 16 आपराधिक मामले दर्ज हैं। शुरुआती पूछताछ में पता चला है कि हरियाणा की बजाय दूर दराज के इलाकों में ट्रेन को रुकवाकर लूटपाट करते फिर हरियाणा वापस निकल जाते, ताकि किसी को पता नहीं चले।

युवक की संदिग्ध मौत का मामला हत्या में तब्दील

श्रीगंगानगर, (निसं)। यहां अप्रैल माह में हुई एक युवक की संदिग्ध मौत का मामला अब हत्या में तब्दील हो गया है। मृतक के पिता द्वारा अदालत में दायर किए गए इस्तगासा के आधार पर पुरानी आबादी पुलिस ने युवक की पत्नी सरोज निवासी सिहागावाली, युवक मीतू निवासी ढूडियांवाली ढाणी सादुलशहर व अन्य के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की है। पुलिस के अनुसार सादुलशहर तहसील के गांव 9 एलएलजी निवासी रामलाल ने इस्तगासा के माध्यम से बताया कि उसके बेटे मदनलाल की शादी पहले प्रमिला से हुई थी, जिसकी बीमारी से मौत हो गई थी। इसके बाद परिवारवालों ने मदनलाल का विवाह प्रमिला की छोटी बहन सरोज से कर दिया। परिवादी का आरोप है कि शादी के बाद सरोज का व्यवहार सही नहीं रहा। आरोप है कि सरोज, मीतू व अन्य ने मदनलाल को स्प्रे पिलाया, जिससे उसकी मौत हो गई।

जयपुर से काम के सिलसिले में बीकानेर पहुंची महिला से दुष्कर्म

आरोप है कि जिस होटल में वह ठहरी थी, उसी होटल में उसके साथ हैवानियत की गई

- होटल का मालिक महिला को रूफटॉप पर ले गया, उसे जबरदस्ती शराब पिलाई और गलत काम किया
- बताया जा रहा है कि 36 साल की महिला जयपुर में रहकर प्रॉपर्टी कंसल्टेंट का काम करती है

बीकानेर, (निसं)। जयपुर से काम के सिलसिले में बीकानेर गई महिला से रेप किया गया। आरोप है कि जिस होटल में वह ठहरी थी, उसी होटल में उसके साथ हैवानियत की गई। उसी होटल का मालिक महिला को रूफटॉप पर ले गया। उसे जबरदस्ती शराब पिलाई, फिर उसके साथ फिजिकल रिलेशन बनाए। मामला बीछवाल इलाके के एक होटल का है।

बीछवाल एसएचओ गोविंद सिंह चारण ने बताया कि 25 सितंबर की रात को घटना हुई है। इसकी रिपोर्ट 26 सितंबर को दर्ज कराई गई। एसएचआ ने बताया कि महिला रिपोर्ट दी है। 36 साल की महिला जयपुर में रहकर प्रॉपर्टी कंसल्टेंट का काम करती है। वह 18 सितंबर को प्रोफेशनल काम से बीकानेर आई थी। 23 सितंबर को उसने बीछवाल थाना इलाके के सागर होटल में चेक इन किया था। इस दौरान उसकी मुलाकात होटल मालिक अमित अग्रवाल से हुई। अमित को उसने अपने रियल इस्टेट और हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में मार्केटिंग और कंसल्टिंग के बारे में बताया। आरोप है कि इसके बाद से होटल मालिक उसका पीछा करने लगा। वो मंदिर जाती तो भी उसके पीछे-पीछे जाता था। होटल से लेकर बाहर जाने तक, हर गतिविधि पर नजर रखता था। निकिता के व्रत रखने तक पर आपत्ति जताता था। रिपोर्ट में महिला ने बताया कि होटल मालिक ने साथ में शराब पीने का दबाव बनाया। 25 सितंबर को उसे होटल की छत पर ले जाकर शराब पिलाई। इसके बाद होटल मालिक ने निकिता के साथ रेप किया। बीछवाल पुलिस ने इस मामले में महिला का मेडिकल करवाया।

दुकान पर सामान खरीद रहे व्यक्ति पर फायरिंग

भरतपुर, (निसं)। सेवर थाना क्षेत्र की रुद्र नगर कॉलोनी में एक दुकान पर सामान खरीद रहे व्यक्ति पर दो बदमाशों ने फायरिंग कर दी। फायरिंग में व्यक्ति और एक बच्चे को छर्रे लगे हैं। हालांकि इस घटना में दोनों सही सलामत हैं। घटना के बाद बदमाश मौके से फरार हो गए। सूचना मिलते ही सेवर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई और लोगों में दहशत का माहौल है।

पीड़ित डॉ यश चौधरी ने बताया कि शाम पौने सात बजे वह कॉलोनी की एक दुकान पर बच्चों को सामान दिलाने लाया था। उसी दौरान एक बाइक पर दो बदमाश आए और फायरिंग कर दी। घटना के बाद दोनों बदमाश मौके से फरार हो गए। घटना में बाल बाल बाल बच गया। मेरे और एक बच्चे को छर्रे लगे हैं लेकिन दोनों सही है। घटना की जानकारी सेवर पुलिस को दी। उन्होंने बताया कि मैं उनको नहीं जानता हूं लेकिन सामने आएंगे तो जरूर पहचान लूंगा। सेवर थाना प्रभारी सतीश शर्मा ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। घटना के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है और आरोपियों की तलाश की जा रही है।

चोरी का आरोपी घबराहट होने का बहाना बनाकर थाने से फरार

- पुलिस ने आधा घंटे की मशक्कत के बाद आरोपी को फिर से पकड़ लिया

सूरतगढ़, (निसं)। सिटी थाने से चोरी का आरोपी घबराहट होने का बहाना बनाकर फरार हो गया। घटना से एक बार के लिए महकमे में हड़कंप मच गया। हालांकि, पुलिस ने आधा घंटे की मशक्कत के बाद आरोपी फिर से पकड़कर हवालात में बंद कर दिया।

थानाधिकारी दिनेश सारण ने बताया कि त्रिमूर्ति मंदिर क्षेत्र में एक युवक को लोगों ने चोरी के संदेह में पकड़ा था। आरोप था कि इस युवक ने सिलेंडरों की चोरी की है। सूचना मिलने के बाद थाना के ड्यूटी अधिकारी सब इंस्पेक्टर माणकलाल पुलिस जाप्ते के साथ मौके पर पहुंचे और युवक को पकड़कर थाना में ले आए। पूछताछ के बाद आरोपी आनंद (26) पुत्र जगदीश जाट, निवासी घमंडिया और हाल निवासी शिवबाड़ी एरिया को रात होने के कारण हवालात में बंद कर दिया। सीआई ने बताया कि इस युवक ने शनिवार सुबह घबराहट होने की शिकायत की जिस पर ड्यूटी पर तैनात संतरी ने उसे हवालात से बाहर निकाल कर बरामदे में पंखे के नीचे बैठा दिया। इसी दौरान संतरी से नजरे बचा कर युवक एकाएक फरार हो गया। घटना का पता लगते ही पुलिस ने युवक का पीछा करते हुए तलाशी शुरू कर दी। जिसे बाद में थाना से कुछ ही दूर पर स्थित पशु अस्पताल के अहाते में उगी हुई झाड़ियों से काबू कर लिया। पुलिस के मुताबिक युवक नशेड़ी किस्म का है।

अज्ञात व्यक्ति का शव मिला

सूरतगढ़, (निसं)। यहां नेशनल हाइवे संख्या 62 पर स्थित रिलायंस पेट्रोल पंप के पास गंदे पानी के नाले में शनिवार को एक शव मिलने से सनसनी फैल गई। राहगीरों की सूचना पर सिटी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आसपास के लोगों की मदद से शव को नाले से बाहर निकलवा कर सरकारी अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवाया।

थाना के उप निरीक्षक दिलीप सिंह ने बताया कि शव मिलने की सूचना के बाद वे जाप्ते सहित मौके पर पहुंचे। डेडबॉडी को नाले से बाहर निकलवा कर उसके पहने कपड़ों की तलाशी ली गई, मगर पहचान के कोई दस्तावेज उसके पास नहीं मिले। इस संबंध में आसपास के लोगों से पूछताछ भी की, मगर कोई बड़ी जानकारी सामने नहीं आई। ऐसे में डेडबॉडी को सरकारी अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवाया गया है। साथ ही शिनाख्ती के प्रयास किया जा रहे हैं। पुलिस के मुताबिक मृतक की उम्र करीब 40 वर्ष है। शव भी 2 से 3 दिन पुराना है। आशंका है कि अत्यधिक नशे की हालत में वह नाले में गिर गया होगा और किसी के द्वारा नहीं संभालने पर उसकी मौत हो गई होगी। फिलहाल पुलिस सभी एंगल से मामले की पड़ताल में जुटी है।

पूर्व कैबिनेट मंत्री नंदलाल मीणा का निधन

उदयपुर, (निसं)। बीजेपी के वरिष्ठ नेता और पूर्व जनजातीय कैबिनेट मंत्री नंदलाल मीणा का लंबी बीमारी के बाद 80 साल की उम्र में निधन हो गया। अहमदाबाद के अस्पताल में उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके बेटे हेमंत मीणा राजस्थान सरकार में कैबिनेट मंत्री हैं। नंदलाल मीणा का जन्म 25 जनवरी 1946 को प्रतापगढ़ जिले के अम्बामाता का खेड़ा गांव में हुआ था। उनके पिता किशनलाल और माता देवीबाई थी। उन्होंने मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर से बी.ए. और एल.एल.बी. की पढ़ाई पूरी की। पढ़ाई के बाद वे खेती-बाड़ी के साथ-साथ सामाजिक और राजनीतिक जीवन में सक्रिय हो गए। 20 जून 1968 को उनकी शादी सुमित्रा देवी से हुई। उनके एक पुत्र और पांच पुत्रियां हैं। नंदलाल मीणा ने साल 1972 में पहला चुनाव लसाड़िया विधानसभा से लडा। मगर वे चुनाव नहीं जीत सके। 1977 में वे पहली बार जनता पार्टी के टिकट पर उदयपुर ग्रामीण सीट से विधायक बने। वे भाजपा के संस्थापक सदस्यों में से एक बने और आदिवासी बहुल इलाकों में पार्टी को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

नंदलाल मीणा (फाइल फोटो)।

नंदलाल मीणा कुल 7 बार विधायक, एक बार सांसद और तीन बार राजस्थान सरकार में मंत्री रहे। वसुंधरा राजे सरकार में उन्हें कैबिनेट मंत्री का दर्जा दिया गया। मंत्री रहते हुए उन्होंने आदिवासी क्षेत्रों में हॉस्टल, एनीकट, सिंचाई योजनाएं और सड़कों का व्यापक जाल बिछाया। नन्दलाल मीणा ने 2016 में भील प्रदेश की मांग का समर्थन किया था।

कार से 40 किलो चांदी के जेवर व 20 लाख की नगदी बरामद

- दो व्यापारियों को हिरासत में लिया, डहरामोड पर नाकाबंदी दौरान पुलिस ने कार्रवाई की

नदबई/भरतपुर, (निसं)। राजमार्ग पर डहरामोड़ के समीप लखनपुर थाना पुलिस ने नाकाबंदी दौरान कार्रवाई करते हुए एक गाड़ी से 40.296 ग्राम चांदी के आभूषण व 20 लाख की नगदी बरामद की। जांच पड़ताल दौरान चांदी के आभूषण व नगदी के दस्तावेज उपलब्ध नही होने पर पुलिस ने कार्रवाई कर गाड़ी सहित नगदी व आभूषण जब्त कर दो व्यापारियों को हिरासत में लिया।

पुलिस ने दो व्यापारियों से चांदी के जेवर व नगदी जब्त की।

पुलिस सूत्रों की मानें तो हरि पर्वत आगरा निवासी रचित जैन पुत्र सलिल जैन अपने साथी व्यापारी कालकंदी विहार आगरा निवासी नितिन शर्मा पुत्र अजयपाल शर्मा के साथ अपनी क्रेटा गाड़ी में नदबई से करीब 40.296 ग्राम चांदी के आभूषण व बीस लाख की नगदी लेकर आगरा जा रहा था। इसी दौरान राजमार्ग पर डहरामोड़ चौकी प्रभारी एदल सिंह के नेतृत्व में नाकाबंदी के दौरान पुलिस ने संदिग्ध स्थिति में गाड़ी को रोक लिया। जांच पड़ताल दौरान गाड़ी से करीब 40 किलो 296 ग्राम के चांदी जेवरात व एक बैग से 20 लाख की नगदी बरामद होने पर पुलिस ने दस्तावेज उपलब्ध कराने को कहा। दस्तावेज उपलब्ध नहीं होने पर पुलिस ने गाड़ी, नगदी व चांदी के आभूषण जब्त कर दोनों व्यापारियों को हिरासत में ले लिया। बाद में चौकी प्रभारी एदल सिंह ने चांदी के आभूषण व नगदी को लेकर व्यापारियों से पूछताछ करने के बारे में बताया।

जेवरात व नकदी चोरी : उदयपुर, शहर के प्रतापनगर थाना क्षेत्र में स्थित सूने मकान का चोर ताला तोड़ कर सोने-चांदी के जेवरात व नकदी चुरा ल गए। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार बरोड़िया खैरोदा हॉल नला फला देबारी प्रतापनगर निवासी जसवन्तसिंह पुत्र गुलाबसिंह ने अज्ञात चोर के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया। जिसमें उसने बताया कि 25 सितंबर को मैं परिवार सहित अपने गांव गया था। वहां से दूसरे दिन लौटा तो मकान का ताला टूटा हुआ एवं कमरे में सामान बिखरा पड़ा था। तलाशी ली तो सोने के दो मंगलसूत्र, कान के झुमके लटकन सहित बच्चे के सोने के कड़े, चांदी की पायल, बिछिया तथा गुल्लक से एवं कमरें में रखी करीब 20 से 25 हजार रूपये नकदी गायब थी। इस पर पुलिस को सूचना कर प्रकरण दर्ज करवाया।

तीन मकानों से जेवर व नकदी चोरी : उदयपुर जिले के फलासिया थाना क्षेत्र में स्थित तीन सूने मकानों में चोरों ने ताले तोड़ कर चोरी की वारदात को अंजाम दिया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार फलायिा थाना क्षेत्र लुणियारा गांव निवासी दिनेश पुत्र कालुराम अहारी के सूने मकान का चोर ताला तोड़ कर चांदी के जेवर, 60 हजार रूपये नकदी, पड़ोसी जितेन्द्र पुत्र नवल चन्द्र कुमावत के दुकान का शटर तोड़ कर करीब तीन हजार रूपये नकदी तथा घर से 10 से 15 हजार रूपये नकदी चुरा ले गए। इसी दौरान एक अन्य पड़ोसी के मकान में चोरी की वारदात को अंजाम देकर फरार हो गए।

जेल में मारपीट, बंदी घायल

उदयपुर, (निसं)। आपसी कहासूनी के दौरान मारपीट होने से जेल में बंदी विचाराधीन केदी घायल हो गया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार 26 सितंबर सवेरे उदयपुर केन्द्रीय कारागृह में किसी बात को लेकर कहासुनी होने पर बंदी मल्लातलाई अम्बामाता निवासी शिवाल पुत्र अनिल पर बंदी तपीन पुत्र प्रेमचंद, प्रिंस पुत्र ईश्वरसिंह, प्रविणसिंह पुत्र फतेहसिंह, सतीश पुत्र शंकरलाल, ऋषभ पुत्र रामचन्द्र, शाबिर पुत्र मोहम्मद अली ने मारपीट कर दी। इस दौरान नुकीले हथियार से हमला करने पर बचाव के दौरान सिर व हाथ पर मामूली चोट लगने से विशाल घायल हो गया। इसको देख मौजूद सुरक्षा प्रहरियों ने हालात काबू कर पुलिस को सूचना कर प्रकरण दर्ज करवाया। जिसकी जांच एएसआई तेजसिंह कर रहे है।

वहीं उदयपुर में पत्थरबाजी कर चोर टीडी थाना क्षेत्र में स्थित माईन से चोर कबाड़ चुरा ले गए। इस दौरान माईन्स मैनेजर घायल हो गया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार टीडी थाना क्षेत्र जावरमाला माइंस के कबाड़ में 25 सितंबर को आए चोरों ने पत्थरबाजी की इस दौरान सिर में पत्थर लगने से गार्ड हवासिंह ढाका पुत्र हरलालसिंह ढाका निवासी हासलसर गुडा गौडजी झुझुनू हॉल असाईनमेंट मैनेजर जावरमाला घायल हो गया। इस दौरान चोर कबाड़ से वायर चुरा ले गए।

शाहपुरा में ब्याज माफिया दिलीप गुर्जर पर पुलिस ने कसा शिकंजा

- पुलिस अधीक्षक के आदेश पर अब कोर्ट में चालान पेश कर जमीन की कुर्की के आदेश की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा रही है
- ब्याज माफिया दिलीप गुर्जर की संपतियों का बाजार मूल्य लगभग 45 करोड़ रूपये बताया रहा है

शाहपुरा, (निसं)। क्षेत्र में ब्याज माफिया के रूप में सक्रिय दिलीप गुर्जर पर लगातार बढ़ते मुकदमों को देखते हुए पुलिस ने कार्रवाई तेज कर दी है। पुलिस अधीक्षक के आदेश पर अब कोर्ट में चालान पेश कर जमीन की कुर्की के आदेश की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा रही है।

जानकारी के अनुसार, दिलीप गुर्जर पर कई आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। इनमें प्रमुख रूप से केस संख्या 68/2015 (राजकीय वादा पुलिस पर पथराव मामला), 220/2025 (पुष्पा वैष्णव प्रकरण), 224/2025 (महावीर प्रसाद कुमावत प्रकरण), 269/2025 (प्रहलाद जाट रायपुर) और 260/2025 (गोविंदराम रायपुर) शामिल हैं। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, गुर्जर पर 107 के तहत कुर्की की कार्रवाई की जा रही है गुर्जर की सभी संपतियों को सूचीबद्ध, किया जा रहा है। भीलवाड़ा जिला पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह ने सभी संपतियों को सीज करने की स्वीकृति दी है।

संपतियों का बाजार मूल्य लगभग 45 करोड़ रूपये है। इसके लिए पुलिस अधीक्षक द्वारा आदेश भी जारी कर दिए गए हैं। अब कोर्ट से जमीन की कुर्क संबंधी आदेश की प्रतीक्षा की जा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि ब्याज माफिया के खिलाफ हो रही इस सख्त कार्रवाई से पीड़ित परिवारों को राहत मिलने की उम्मीद जगी है।

2.40 करोड़ रुपए की लागत से दृष्टिबाधित छात्राओं के लिए बनेगा छात्रावास

- दृष्टिबाधित छात्राओं बनने वाले छात्रावास का विधायक सिद्धि कुमारी एव विधायक जेठानंद व्यास ने शिलान्यास किया

बीकानेर, । राजकीय नेत्रहीन छात्रावासित उच्च माध्यमिक विद्यालय पटेल नगर में दृष्टिबाधित छात्राओं के लिए बनने वाले प्रदेश के पहले छात्रावास के नए भवन का शिलान्यास एवं भूमि पूजन कार्यक्रम शनिवार को आयोजित हुआ। श्रीमती सीएम मूंधड़ा फाउंडेशन मुंबई द्वारा 2 करोड़ 40 लाख रुपए की लागत से यह भवन बनाया जाएगा। इस अवसर पर शिक्षा मंत्री मदन दिलावर वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से कार्यक्रम से जुड़े और भामाशाह मूंधड़ा परिवार तथा प्रेरक द्वारका प्रसाद पचीसिया का इस सहयोग के लिए आभार जताया। उन्होंने कहा कि बीकानेर भामाशाहों की नगरी है और यहां के भामाशाह शिक्षाए चिकित्सा सहित आधारभूत सुविधाओं के विकास के लिए सहयोग करने से कभी पीछे नहीं हटते।

बीकानेर पूर्व विधानसभा क्षेत्र विधायक सुश्री सिद्धि कुमारी ने कहा कि मूंधड़ा परिवार द्वारा अपनी मातृभूमि के लिए किया जा रहा यह कार्य अत्यंत पुण्यदाई है। जो कि बच्चों के भविष्य निर्माण के मद्देनजर महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि यह कार्य करने वाले मूंधड़ा परिवार और इसके प्रेरक पचीसिया को आने वाली पीढ़ियों द्वारा याद किया जाएगा। बीकानेर पश्चिम विधायक जेठानंद व्यास ने कहा कि शहर के विकास में भामाशाहों का योगदान सदैव वंदनीय रहा है। इसमें मूंधड़ा परिवार सबसे आगे है। इनके द्वारा 100 करोड़ से अधिक रुपए की लागत से मेडिसिन विंग का निर्माण करवाया गया है। वहीं कई स्कूल, कॉलेज और अन्य आधारभूत सुविधाओं का विकास इन्हें विशेष स्थान दिलाता है। उन्होंने श्मेरी मातृभूमि मेरी जिम्मेदारी अभियान के बारे में बताया और कहा कि इसके क्रियान्वयन में भी मूंधड़ा परिवार और डीपी पचीसिया का बड़ा योगदान रहा है। श्री ब्रह्म गायत्री सेवा आश्रम के अधिष्ठाता पंडित रामेश्वरानंद ने कहा कि पर मातृ पितृ और आचार्य के साथ राष्ट्र देवो भवः के भाव जागृत करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि मातृभूमि के लिए कुछ करने का भाव सबसे बड़ा होता है। सुमन छाजेड़ ने कहा कि मूंधड़ा परिवार द्वारा बनाया जाने वाला यह भवन केवल ईट और चूने का ढांचा नहीं है। यह बालिकाओं के सशक्त भविष्य निर्माण का माध्यम बनेगा। मोहन सुराणा ने कहा कि निस्वार्थ भाव से काम करते हुए इतनी बड़ी राशि व्यय करना महत्वपूर्ण है। इस दौरान बाबूलाल सांखला और अनंतवीर जैन ने भी विचार रखे। जिला उद्योग संघ के अध्यक्ष द्वारका प्रसाद पचीसिया ने बताया कि छात्रावास में 8 शयन कक्ष, डाइनिंग हॉल, किचन मय स्टोर, स्टोर रूम, रिसेप्शन हॉल वार्डन रूम 2 ब्लॉक कॉमन टॉयलेट व बाथरूमए बरामदाए बिल्डिंग के बीच कोर्टयार्ड आदि बनाया जाएगा। उन्होंने बच्चों के लिए मेस भत्ता बढ़ाए जाने पर राज्य सरकार का आभार जताया। उन्होंने बताया कि मूंधड़ा परिवार द्वारा बनाया गया मेडिसिन विंग अगले माह प्रदेश को समर्पित कर दिया जाएगा। इससे पहले वैदिक मंत्रों के साथ पवन पचीसिया एवं श्रीमती संगीता पचीसिया ने भूमि पूजन किया। अतिथियों ने शिला पट्टिका का अनावरण किया। आनंद पारीक ने आभार जताया। कार्यक्रम का संचालन रवींद्र हर्ष और ज्योति प्रकाश रंगा ने किया। कार्यक्रम में श्रीराम सिंगी और माध्यमिक शिक्षा निदेशालय के संयुक्त निदेशक डॉ महेंद्र शर्मा अतिथि के रूप में मौजूद रहे।

इस दौरान जिला कलेक्टर नम्रता वृष्णि ने स्कूल का अवलोकन किया तथा भूमि पूजन स्थल को देखते हुए नए बनने वाले भवन के ले आउट की जानकारी ली। वहीं भामाशाह श्रीकिशन मूंधड़ा अपने परिवारजनों सहित वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से कार्यक्रम से जुड़े। जिला कलेक्टर ने मूंधड़ा से दूरभाष पर बात कर इस सहयोग के लिए आभार जताया और कहा कि उनका यह सहयोग बालिकाओं के लिए लाभदायक साबित होगा। इस दौरान जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सोहनलाल साथ थे।केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने भामाशाह श्रीकिशन मूंधड़ा से दूरभाष पर बात की और भवन निर्माण के सहयोग के लिए शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि मूंधड़ा परिवार द्वारा बीकानेर के लिए दिया जा रहा सहयोग अविस्मरणीय और अनुकरणीय है। मूंधड़ा परिवार द्वारा नापासर के साथ बीकानेर में शिक्षाए चिकित्सा एवं स्वच्छता पर करोड़ों रुपए का दान दिया हैए इसे लंबे समय तक याद किया जाएगा। इस दौरान स्कूल प्राचार्य अल्ताफ अहमद, सुमन स्वामी, पीबीएम अधीक्षक डॉ सुरेंद्र वर्मा, शशि मोहन मूंधड़ा, सत्यनारायण राठी, कन्हैया लाल बोथरा, एड. राजेश लदरेचा, श्याम सुंदर सोनी ओम प्रकाश करनानी नरेश मित्तल वीरेंद्र किराडू के के मेहता मनीष सिपानी नरेश सुराणा, कुणाल कोचर अशोक गहलोतए डॉ जितेंद्र आचार्य विनोद गोयल, किशन सिंगी, डॉ.चंद्र शेखर श्रीमाली, शिवरतन पुरोहित, राजकुमार पचीसिया जगमोहन मोदी, रमेश हुरकट विजय मालू सत्यनारायण राठी, भंवर लाल चांडक अश्विनी पचीसिया टीकूराम चौधरी आनंद पेडीवाल किशन मूंधड़ा, रघुवीर झवर पिंटू राठी, रोहित पित्ती, पुनीत शर्मा संतोष आसोपा, देवकिशन यादव और पूनम राइका सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

विश्व पर्यटन दिवस पर पर्यटकों का स्वागत

बीकानेर । विश्व पर्यटन दिववस के अवसर पर शनिवार को गंगा राजकीय संग्रहालय में 'हमारी विरासत हमारा गौरव' विषयक प्रदर्शनी का आयोजन हुआ। संग्रहालय प्रभारी राकेश शर्मा ने बताया कि संग्रहालय में आने वाले पर्यटकों का तिलक लगाकर एवं माला पहनाई। पर्यटन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में लोक कलाकारों द्वारा नृत्य एवं गायन के साथ पर्यटकों का स्वागत किया गया। प्रदर्शनी में बीकानेर संभाग के समस्त संरक्षित स्मारकों के छायाचित्र एवं उनके इतिहास के बारे में पर्यटकों ने जानकारी प्राप्त की। शर्मा ने बताया कि बीकानेर संभाग के संरक्षित स्मारकों की वास्तु एवं शिल्पकला के बारे में आगुन्तक दर्शकों को जानकारी दी गई। इतिहास की छात्रा दिव्य ज्योति हर्ष ने स्मारकों के बारे में जानकारी ली और इसे अनुकरणीय बताया।प्रदर्शनी में एक ही स्थान पर सभी स्मारकों की जानकारी प्राप्त होना युवाओं के लिए शिक्षाप्रद रहा। शर्मा ने बताया कि लगभग 500 पर्यटकों ने प्रदर्शनी को देखा और संग्रहालय का निःशुल्क भ्रमण किया। इस अवसर पर्यटन विभाग के संयुक्त निदेशक अनिल राठौड, सहायक निदेशक महेश कुमार व्यास, शंकर दत्त हर्ष, मनोहरसिंह, श्रीमती सुमन एवं राखी मोहता इत्यादि उपस्थित रहे।

सार-समाचार

नोखा के छात्रों ने निर्माणाधीन सीवरेज प्लांट का भ्रमण किया

नोखा । यहा स्थित राजकीय राठी उच्च माध्यमिक स्कूल के छात्रों ने राजस्थान नगरीय आधारभूत विकास परियोजना के तहत चर्कड़ा साइट पर निर्माणाधीन सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) का भ्रमण किया। यह दौरा व्यावसायिक शिक्षा व सामुदायिक जागरूकता कार्यक्रम का हिस्सा था। भ्रमण के दौरान सहायक अभियंता मनीष बिश्नोई ने विद्याथि्यों को एसटीपी की कार्यप्रणाली सरल भाषा में समझाई। उन्होंने बताया कि शोधन के बाद का पानी खेती व उद्योगों में उपयोग किया जा सकता है और इसके लिए आसपास के किसानों के साथ एग्रीमेंट किए जा रहे हैं। संवेदक फर्म के महाप्रबंधक बाबूलाल सुथार ने प्लांट में लगाई जा रही मशीनरी की विशेषताएं और सुरक्षा प्रावधानों के बारे में जानकारी दी। सामुदायिक विकास सलाहकार अशोक कुमार देवड़ा ने दैनिक जीवन में स्वच्छता व हर घर से सीवरेज कनेक्शन जोड़ने के महत्त्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि ठोस कचरा नाली में न डालें, नहीं तो पाइप जाम हो जाते हैं। कचरा हमेशा कूड़ा संग्रहण वाहन में डालें। दौरे में स्कूल के शिक्षक अमित बिश्नोई, प्रियंका सैनी, सहदेव चौधरी व खालिक अहमद भी शामिल रहे। छात्रों ने प्रश्न पूछकर प्लांट की कार्यप्रणाली समझी और साफ-सफाई तथा जल संरक्षण के बारे में जागरूकता बढ़ाने का संकल्प लिया।

बीकानेर के रवि पुरोहित अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में आमंत्रित

बीकानेर बाबा खींवादास स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सीकर, मानविकी बहु अनुशासनिक साहित्य शोध संस्थान, रावतसर और चिंतन प्रकाशन कानपुर के संयुक्त तत्वावधान में दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन 30 व 31 अक्टूबर को किया जाएगा। आयोजन सचिव डॉ. विजय कुमार पटीर ने बताया कि भूमण्डलीकृत वैश्वीकरण के संदर्भ में भारतीय संस्कृति के बाजारीकरण विषय पर आयोज्य सेमीनार में देश-विदेश के अनेक विद्वान और शोधार्थी भाग लेंगे। बीकानेर के लब्ध प्रतिष्ठ साहित्यकार, संपादक, आलोचक रवि पुरोहित विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे और उपभोक्तावादी दौर में समय, समाज और संस्कृति के बदलते मूल्यों पर वक्तव्य देंगे। पटीर ने बताया कि दो दिनों में केंद्रीय विषय अमन कला केंद्र द्वारा टाऊन हॉल मैं पार्श्व गायिका लता मंगेशकर के 96 वी व देव आनंद की 102 वी जयंती जन्मदिन के अवसर पर रंगारंग फिल्मी गीतों का प्रोग्राम गाता रहे मेरा दिल आयोजित किया गया संस्था के अध्यक्ष एम रफीक कादरी ने बताया की कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अरविन्द मिढ़ा उपाध्यक्ष शहर कांग्रेस कमेटी थे अध्यक्षता एन डी रंगा अध्यक्ष सखा संगम ने की विशिष्ट अतिथि डॉ राकेश रावत समुद्र सिंह राठौड़ डॉ दिनेश शर्मा डॉ प्रवीण चतुर्वेदी मो सदीक चौहान डॉ योगेश साध डॉ भूपेंद्र तिवाड़ी डॉ हिमांशु दाधीच एम आर कुकरेजा सुशील यादव थे संस्था सचिव अनवर अजमेरी ने बताया कि बीकानेर के जाने माने गायक कलाकार एम रफीक कादरी ख्वाजा हसन कादरी सिराजुद्दीन खोखर अहमद हारून कादरी गोविन्द पुरोहित कैलाश खरखोदीया जावेद मिर्जा अनवर अजमेरी डॉ तपस्या चतुर्वेदी सुमन पवार गोपिका सोनी अशोक सोनी जसमतिया प्रदीप खत्री दीपक खत्री डॉ प्रवीण चतुर्वेदी डॉ राकेश रावत डॉ दिनेश शर्मा डॉ भूपेंद्र तिवाड़ी डॉ हिमांशु दाधीच डॉ योगेश साध एम आर कुकरेजा समुद्र सिंह राठौड़ आदि गायक कलाकारों ने लता मंगेशकर के गाये व देव आनंद पर फिल्माए गीत पेश किए कार्यक्रम का संचालन एम रफीक कादरी ने किया

रोटरी राज्यस्तरीय राजस्थानी भाषा-साहित्य पुरस्कार समारोह 12 को

बीकानेर। । रोटेरी क्लब बीकानेर द्वारा राजस्थानी भाषा और साहित्य से सबंधित साहित्यकारों को प्रतिवर्ष राज्यस्तरीय पुरस्कार प्रदान किये जाते हैं। रोटरी क्लब अध्यक्ष दीनदयाल व्यास ने बताया कि प्रथम राजस्थानी पुरस्कार 51000/- (इक्यावन हजार) का "कला डूंगर कल्याणी राजस्थानी शिखर पुरस्कार" राजस्थानी और हिन्दी के प्रतिष्ठित साहित्यकार जानकीनारायण श्रीमाली को घोषित किया गया है। जानकीनारायण श्रीमाली 'राजस्थानी भाषा, साहित्य, संस्कृति और हिन्दी के प्रतिष्ठित विद्वान हैं। रोटरी क्लब प्रान्त 3053 के रोटेरियन एवं राजस्थानी सामरोह के संयोजक मनमोहन कल्याणी ने बताया कि राजस्थानी भाषा का रुपये 21000/- (इक्कीस हजार) "खींवराज मुन्नीलाल सोनी राजस्थानी गद्य पुरस्कार" चूरू के लेखक राजेन्द्र शर्मा 'मुसाफिर' की कहानी संग्रह "सत्त बोल्यां गत्त है" को दिया जायेगा।रुपये 11000/- (इग्यारह हजार) "ब्रज उर्मि अग्रवाल राजस्थानी पद्य पुरस्कार" डॉ. सुमन बिस्सा, जोधपुर की कविता की पुस्तक "अंतस रा सुर सांतरा" पुस्तक को घोषित हुआ है।

'बसों-ट्रकों पर लगी एक्सट्रा हैड लाइट हटाने की कार्रवाई करें'

- सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में कई अहम निर्णय लिए
- कलेक्टर ने बीडीए को रोड़ कट बंद करने के निर्देश दिए

बीकानेर,(कासं)। जिला कलेक्टर नम्रता वृष्णि की अध्यक्षता में शुक्रवार को सड़क सुरक्षा समिति की मासिक बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में हुई।

बैठक में आईरैड डीआरएम महेश कुमार शर्मा ने बताया कि जयपुर रोड़ पर कट बंद करने से दुर्घटनाओं में कमी आई है। लेकिन बीकानेर में पिछले चार सालों में एक्सीडेंट की संख्या और मरने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है। जिले में 2021, 22, 23 और 24 में दुर्घटनाओं की संख्या क्रमशः 435, 499, 569, 584 और मरने वालों की संख्या क्रमशः 338, 369, 360, 389 रही है। साथ ही बताया कि जिले में सर्वाधिक दुर्घटनाएं श्रीडूंगरगढ़ में और मरने वालों की संख्या भी सर्वाधिक श्रीडूगंरगढ़ में रही है। उसके बाद नोखा है। शाम 6-9 बजे के बीच सर्वाधिक दुर्घटनाएं होती है। जिला कलेक्टर ने बसों और ट्रकों पर लगी एक्सट्रा हैड लाइट को हटाने को लेकर परिवहन विभाग को कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

जिला कलेक्टर को आईरैड डीआरएम महेश कुमार शर्मा ने बताया कि पीबीएम अस्पताल के आगे रोड़ कट पर भी एक्सीडेंट हो रहे हैं। जिला कलेक्टर ने बीडीए को रोड़ कट बंद करने के निर्देश दिए। डिवाइडर पर कट छोड़ दिया जाएगा ताकि पैदल आने जाने वालों को कोई परेशनी ना हो। बैठक में जिला कलेक्टर ने डीटीओ और पुलिस अधिकारियों से कहा कि शहर में 20 साल से पुराने चल रहे ऑटो को सीज करने की कार्रवाई की जाए। लेकिन कार्रवाई शुरू करने से पहले अभियान चलाकर इसकी जानकारी दी जाए। डीटीओ भारती नथानी ने बताया कि शहर में कुल करीब 7 हजार ऑटो का रजिस्ट्रेशन है।

जिला कलेक्टर ने पीडब्लयूडी एनएच के अधिकारियों को निर्देशित किया कि एनएच-11 और एनएच-62 को कनेक्ट करने वाली जितनी भी सड़क हैं जो विभिन्न गांवों से आकर एनएच को कनेक्ट करती है। उन पर एनएच कनेक्ट होने से थोड़ा पहले स्पीड ब्रेकर बनाए जाएं ताकि एक्सीडेंट में कमी आए। बीडीए की सीमा तक ये कार्य तत्काल शुरू किया जाए। जिला कलेक्टर ने डूंगर कॉलेज के आगे और सामने केवी स्कूल से पहले स्पीड ब्रेकर बनाने के निर्देश बीडीए को दिए। साथ ही मिलन ट्रेवल वाली रोड़ पर भी स्पीड ब्रेकर बनाने के निर्देश दिए। बैठक में जिला कलेक्टर ने बीडीए अधिकारियों को निर्देशित किया कि जयपुर रोड़ पर खाटूश्याम मंदिर और वैष्णो धाम मंदिर के पास पार्किंग स्थल चिन्हित कर पैड पार्किंग शुरू की जाए ताकि रोड़ पर वाहन खड़े ना रहे व एक्सीडेंट में और कमी आए। बैठक में ट्रैफिक इंस्पेक्टर राजेश निर्वाण ने बताया कि पुलिस को टू व्हीलर उठाने वाले वाहन का ठेका अप्रैल में ही खत्म हो गया था। जिला कलेक्टर ने नगर निगम को नया टेंडर कर जल्द वाहन उपलब्ध करवाने, साथ ही नो पार्किंग जोन के बोर्ड लगाने के निर्देश दिए। ट्रैफिक इंस्पेक्टर ने बताया कि इंटरसेप्टर के द्वारा ओवरस्पीड को लेकर जून से लेकर अगस्त तक क्रमश 1622, 1785, 1809, 2274, 2109 और 2216 चालान किए गए।

बैठक में जिला कलेक्टर ने एनएचएआई के अधिकारियों पर नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि जैसलमेर रोड़ पर सड़क किनारे विभिन्न जगहों पर हटी हुई रैलिंग 10 दिन में लगाना शुरू करें।

वचन,वाणी का हर पल सदुपयोग करें-गणिवर्य मेहुल प्रभ सागर

बीकानेर, । रांगड़ी चौक के सुगनजी महाराज के उपासरे में शुक्रवार को गणिवर्य मेहुल प्रभ सागर म.सा. ने चातुर्मासिक प्रवचन में कहा कि संसार का सारा खेल पाप व पुण्य का है। हमें पुण्य के उदय होने से सबसे उत्तम मन मिला है, जिसके सहारे हमें परमात्मा के गुणों, परमात्मा की वाणी के बारे में अनुप्रेक्षा कर सकते है, लेकिन जिन जीवों को मन नहीं मिला उन जीवों का पाप का उदय है।

उन्होंने कहा कि हमें पुण्य के उदय से बोलने की शक्ति मिली है, उसका सदुपयोग करना चाहिए। अगर हम इस जिव्हा के माध्यम से किसी की निंदा, चुगली करते है तो भावांतर में बोलने की शक्ति ही नहीं मिलेगी। इस जिव्हा के माध्यम से हमें सदैव सद विचार से कम, मीठा व धीरे बोलना चाहिए। आधिका धि क परमात्मा वाणी का श्रवण, चिंतन व मनन करते हुए धर्म कथा करनी चाहिए। इससे हमारे वचन पुण्य का उदय होगा। हमें अपने वचन,वाणी का हर पल सदुपयोग करना चाहिए तथा अधिकाधिक मौन रहना चाहिए।

उन्होंने श्रावक के एक प्रश्न का उतर देते हुए कहा कि अनुप्रेक्षा का अर्थ है किसी बात पर बार-बार गहन चिंतन, मनन करना, यानी किसी विचार या वस्तु को बार-बार ध्यान से देखना और उस पर सोचना। जैन धर्म में एक महत्वपूर्ण आध्यात्मिक प्रक्रिया है जिसमें अस्तित्ववादी विषयों पर चिंतन करके वैराग्य और आत्म नियंत्रण को बढ़ावा दिया जाता है। अनुप्रेक्षा को एक ध्यान

की विधि के रूप में भी देखा जाता है जहां मन को आध्यात्मिक और दार्शनिक अवधारणाओं पर केन्द्रित किया जाता है। जैन धर्म में, अनुप्रेक्षा को वैराग्य (भौतिक और सांसारिक बंधनों से मुक्ति) की भावना उत्पन्न करने वाला माना जाता है। जैन धर्म में बारह अनुप्रेक्षा (भावनाएं) है, जिनमें शरीर की अनित्यता, संसार की दुखमय प्रकृति आदि विषयों पर चिंतन किया जाता है, जिससे व्यक्ति निर्लिप्त होकर समभाव में रह सकें।

कौशल विकास पर विशेष व्याख्यान आयोजित

बीकानेर, तकनीकी विश्वविद्यालय में कौशल विकास पर विशेष व्याख्यान आयोजित हुआ।व्याख्यान के मुख्य अतिथि और विशेषज्ञ वक्ता दिल्ली कौशल एवं उद्यमिता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर अशोक कुमार नागावत थे।जनसंपर्क अधिकारी विक्रम राठौड़ ने बताया कि इस अवसर पर कुलगुरु प्रोफेसर नागावत नें कहा कि कुशल मानव संसाधन किसी भी देश के आर्थिक विकास के लिए महत्वपूर्ण होते हैं, और कौशल विकास इस लक्ष्य को प्राप्त करने में मदद करता है। कोर्स के साथ साथ स्किल का भी अर्जन करना जरूरी है तभी हम उद्देश्य प्राप्ति में सफल हो सकते हैं। विद्यार्थी के लिए सिर्फ़ शैक्षणिक उपलब्धियाँ ही काफ़ी नहीं हैं। असली चुनौती छात्रों को तेज़ी से बदलती दुनिया के लिए तैयार करने में है। यहीं पर कौशल विकास ज़रूरी हो जाता है। वर्तमान रोजगार परिदृश्य में अब नियोक्ता नियोक्ता अब डिग्रियों की तुलना में कौशल को प्राथमिकता देनें लगे हैं। भारत में, राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020, आधारभूत स्तर से ही कौशल विकास के एकीकरण पर ज़ोर देकर इस वैश्विक दृष्टिकोण को प्रतिध्वनित करती है। इस अवसर पर एसीबी प्राचार्य डॉ. ओपी जाखड़ भी उपस्थित थे। कुलगुरु प्रोफेसर अखिल रंजन गर्ग ने कहा कि कौशल विकास की शिक्षा प्रौद्योगिकी को अपनाने का एक मुख्य उद्देश्य उच्च-कुशल और वांछनीय पेशेवरों की एक पीढ़ी तैयार करना है। वैश्विक रोज़गार बाज़ार निरंतर बदल रहा है। नए क्षेत्रों के साथ भूमिकाएँ और ज़िम्मेदारियाँ भी बदल रही हैं। भारत आने वाले कुछ दशकों में उभरते अवसरों को पूरा करने वाले प्रतिभाओं का वैश्विक केंद्र बनने की दिशा में अग्रणी है। इस माँग को पूरा करने का अर्थ है भविष्य के कार्यबल को तैयार करने के लिए एक दृढ़ प्रतिबद्धता के दौर की शुरुआत करना, जिसकी शुरुआत निश्चित रूप से विद्याथि्यों के कौशल विकास से होगी। वर्तमान शिक्षा प्रणाली विद्यार्थी के साथ-साथ शिक्षक की भूमिका और कौशल के मूल्यांकन की भी माँग करते हैं। यूसीईटी प्राचार्य डॉ परबंत सिंह ने कहा कि कौशल शिक्षा के मॉडल के माध्यम से युवाओं को उन्नत कौशल, ज्ञान और रोज़गारपरकता से सशक्त बनाना आवश्यक है।

रेलवे स्टेशन पर स्थायी ऑटो स्टैंड की मांग

बीकानेर, भारतीय राष्ट्रीय ऑटो ड्राइवर यूनियन के प्रतिनिधिमंडल ने आज संगठन के प्रदेश अध्यक्ष हेमन्त किराडू के नेतृत्व में बीकानेर लोकसभा सांसद एवं केंद्रीय कानून एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल से मुलाकात कर बीकानेर रेलवे स्टेशन पर स्थायी ऑटो स्टैंड की मांग की। प्रतिनिधिमंडल ने मंत्री को अवगत कराया कि बीकानेर रेलवे स्टेशन पर पहले छोटी लाइन की गाडियाँ चलती थीं, लेकिन अब प्लेटफार्मो की संख्या बढ़कर 6 हो चुकी है और ट्रेनों की आवाजाही में भी निरंतर वृद्धि हो रही है। वर्तमान में ऑटो चालकों को स्टेशन क्षेत्र में खड़े होने की स्पष्ट व्यवस्था न होने के कारण आए दिन आरपीएफ द्वारा कार्रवाई का सामना करना पड़ता है, जिससे ऑटो चालकों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। किराडू ने कहा कि बीकानेर में आम जनता के लिए प्रमुख परिवहन का साधन ऑटो रिक्शा है, और हाल ही में बंदे भारत एक्सप्रेस जैसी ट्रेनों के शुरू होने से यात्री संख्या में भी इजाफा हुआ है। ऐसे में रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म संख्या 6 के बाहर स्थायी ऑटो स्टैंड का निर्धारण जनहित में आवश्यक है, जिससे यात्रियों को सुविधा मिलेगी और ऑटो चालकों को भी सम्मानपूर्वक आजीविका चलाने का अवसर मिलेगा।उन्होंने यह भी बताया कि वर्तमान में स्टेशन क्षेत्र में ठेके पर कार पार्किंग दी गई है, जबकि ऑटो रिक्शा चालकों के लिए कोई स्थायी स्थान निर्धारित नहीं किया गया है। मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने प्रतिनिधिमंडल की मांग को गंभीरता से लेते हुए पूर्ण आश्वासन दिया।

300 करोड़ के पट्टे असली या फर्जी, 90 दिन बीते, दस्तावेज नहीं दे पाया बीडीए

बीकानेर। तीन महीने पहले शहर में जमीन के फर्जीवाड़े का बड़ा खेल सामने आया था। 55 साल पुराने पट्टों की जिस रजिस्टर में एंट्री थी वो रजिस्टर ही साल भर पुराना है। ये सारे पट्टे यूआईटी से भी पहले के हैं जब सिटी इंप्रूवमेंट कमेटी शहर की जिम्मेदारी संभालती थी। 3 महीने पहले जब इसका खुलासा हुआ तो बीडीए ने एफआईआर कराई और साथ में पट्टों की जांच फोरेंसिक लैब से कराने के लिए कहा मगर जांच के लिए जो दस्तावेज चाहिए वो बीडीए 3 महीने में नहीं दे पाया। नतीजा, जांच आगे ही नहीं बढ़ी।

दरअसल 3 महीने पहले ही खुलासा हुआ था कि 55 साल पुराने पट्टों की एंट्री नए रजिस्टर में हुई है क्योंकि तब पट्टों की एंट्री रजिस्टर में होती थी। 1970 के सारे रजिस्टर जर्जर हो चुके हैं लेकिन जिस रजिस्टर में 40 पट्टे दर्ज किए गए उसके पन्ने और स्याही भी नई है। इसलिए मामले का खुलासा हुआ।

यहां तक कि दस्तखत के ऊपर दस्तखत किए गए। पट्टों में जो मिसल यानी दस्तावजों की जो चेन बताई गई वह बीडीए के दस्तावेजों से मैच नहीं हो रही। फर्जीवाड़े वाली इन प्लॉट की कीमत 300 करोड़ रुपए से ज्यादा आंकी गई थी। खुलासे के बाद ही कमेटी की सिफारिश पर बीडीए ने एफआईआर दर्ज करवाई है। साथ ही फोरेंसिक विभाग से इन पट्टों की जांच कराने के लिए पत्र लिखा गया मगर फोरेंसिक विभाग को फर्जी माने जाने वाले पट्टों के साथ ऑरिजनल पट्टे, पुराना रजिस्टर और नया रजिस्टर भी चाहिए था। 90 दिनों में बीडीए की ओर से ये सामग्री अब तक नहीं सौंपी गई। इस मामले की पड़ताल की तो सामने आया कि जिस बाबू के पास और जिन अधिकारियों के पास ये काम था वो प्रोसेस ही आगे नहीं कर पाए। नतीजा, जांच एक कदम भी आगे नहीं बढ़ी और बिना जांच के एफआईआर भी थाने में सिर्फ कॉलम बनकर रह गई। बीडीए की पकड़ में ये मामला अप्रैल में आया था। उसके बाद बीडीए ने कलेक्टर के सामने सारे तथ्य रखे। कलेक्टर ने बीडीए सचिव कुलराज मीणा, निगम उपायुक्त यशपाल आहूजा, एडीएम सिटी रमेश देव, प्रोग्रामर यतिन सोइन, अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी अश्विनी कुमार आचार्य और अभिलेखागार विभाग के निदेशक नितिन गोयल की एक कमेटी बनाई। कमेटी से रजिस्टर, जमीन और पट्टों की सत्यता जांचने के लिए कहा।

नोखा में जीएसटी बचत उत्सव 2025 पर संवाद

नोखा । बीकानेर के वाणिज्य कर विभाग द्वारा नोखा में 'जीएसटी बचत उत्सव 2025' के तहत एक संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य जीएसटी से संबंधित नवीनतम सुधारों और कर दरों में कटौती के बारे में जानकारी प्रदान करना था। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता वाणिज्य कर विभाग बीकानेर के अतिरिक्त आयुक्त प्रशासन के.एल. जसोल थे। उन्होंने केंद्र सरकार और जीएसटी काउंसिल द्वारा किए गए जीएसटी 2.0 सुधारों और कर दरों में की गई कटौती की विस्तृत जानकारी दी। इस दौरान उपस्थित व्यापारी बंधुओं, कर सलाहकारों और लेखाकारों ने अपनी जिज्ञासाएं रखीं, जिनका जसोल ने समाधान किया।

कार्यक्रम की शुरुआत में अतिरिक्त उपायुक्त प्रशासन के.एल. जसोल का एडवोकेट उत्तम लुणावत और उद्यमी मनोज लुणावत ने स्वागत किया। अन्य अधिकारियों, जिनमें उपायुक्त विक्रम सिंह राजावत और गोविंद चौहान, सहायक आयुक्त डॉ. रामलाल परिहार और रीको अध्यक्ष अनिल जैन शामिल थे, विभिन्न गणमान्य व्यक्तियों द्वारा सम्मान किया गया।

स्वागत भाषण देते हुए सहायक उपायुक्त डॉ. रामलाल परिहार ने सभी उपस्थित महानुभावों का अभिनंदन किया और 'बचत उत्सव 2025' के महत्व पर प्रकाश डाला।

उपायुक्त विक्रम सिंह राजावत ने बताया कि विभाग आम जनता तक पहुंचकर जीएसटी के संबंध में जागरूकता फैलाने का काम कर रहा है। उपायुक्त गोविंद चौहान ने भी जीएसटी सुधारों से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी साझा की।

कार्यक्रम के अंत में रीको अध्यक्ष अनिल जैन और नोखा कर सलाहकार संघ के अध्यक्ष उत्तम लुणावत ने आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर विभाग के कई अधिकारी, कर सलाहकार, व्यापारी और अन्य प्रबुद्धजन उपस्थित रहे। आम लोगों ने इस कार्यक्रम को लाभकारी बताया और जीएसटी से संबंधित संदेश को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

शिक्षक संगठनात्मक गतिविधियों में तन्मयता से सांगठनिक परिवार को करें मजबूत : आचार्य

श्रीडूंगरगढ़, केवल ज्ञान से भरा हुआ ही पर्याप्त नही बल्कि सिखाने की कला में निपुण होने वाला शिक्षक ही प्रभावशाली बनता है इसलिए शिक्षा क्षेत्र के नवाचारों व नयी तकनीको से जुडे रहते हुए विद्यार्थियों को लाभान्वित करने का कार्य शिक्षक करे तो बालक का सर्वागीण विकास हो सकेगा। यह बात चन्द्र शेखर हर्ष पूर्व सहायक निदेशक स्कूल शिक्षा ने शनिवार को राजस्थान शिक्षक संघ राष्ट्रीय के जिला शैक्षिक अधिवेशन के समापन सत्र में रूपा देवी राज उच्च माध्यमिक विद्यालय श्रीडूंगरगढ़ में शिक्षकों को सम्बोधित करते हुए कही। विशिष्ठ अतिथि दयाशंकर शर्मा ने कहा कि शिक्षक को हमेशा अपने कर्तव्यो के साथ साथ बालक के व्यक्तित्व को निखारने का कार्य कर अपनी प्रतिष्ठा को बनाना होगा। अतिरिक्त जिला मंत्री मोहम्मद फैसल ने शिक्षकों से अपने आचरण को अच्छा बनाये रखने का आव्हान करते हुए कहा कि उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व से संगठन एवं समाज के आगे बढ़ने के साथ साथ शिक्षको की समस्याओ का समाधान हो सकेगा।

जिलाध्यक्ष मोहनलाल भादू ने कहा कि सम्मेलनो के माध्यम से शिक्षा क्षेत्र में हुए चिन्तन मनन से आये प्रस्तावो पर संगठनो के साथ सरकारी स्तर पर संवाद होने से शिक्षा के स्तर का विकास हो सकेगा। अध्यक्षता करते हुए संगठन के प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष रवि आचार्य ने कहा कि संगठन सरकार और शिक्षकों के मध्य समन्वय करते हुए शिक्षकों के कर्तव्यो के साथ साथ अधिकारों की बात रखता है जिससे शिक्षकों की समस्याओं का समाधान भी होता है। उन्होने कहा कि संगठन के बिना शिक्षक परिवारविहीन होता है इसलिए प्रत्येक शिक्षक को सगठनात्मक गतिविधियों में तन्मयता से भाग लेकर सांगठनिक परिवार को मजबूत बनाने में अपनी भूमिका का सक्रियता से निर्वहन करना चाहिए। जिला संगठन मंत्री लेखराम गोदारा ने कहा कि शिक्षा के उद्देश्य को प्राप्त करवाकर समाज को दिशा प्रदान करवाने वाला ही शिक्षक कहलाने के योग्य है। जिलामंत्री नरेन्द्र आचार्य ने शिक्षकों से आव्हान किया कि सरकार की चाबी भरने के लिए संगठन को संशक्त करेगें तभी शिक्षकों के मान सम्मान की रक्षा हो सकेगी। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि प्रदेश सयुक्त मंत्री सुरेश व्यास ने कहा कि वर्तमान समय में शिक्षकों को शिक्षण कार्य के साथ साथ डिजीटल माध्यम से भी कार्य करने में दक्षता हासिल करनी होगी तभी वह आज के युग अनुसार बालकों को भी तकनीकी शिक्षा से जोड कर आगे बढ़ाने में सहायक बन सकेगा।

जिलामंत्री नरेन्द्र आचार्य ने बताया कि तृतीय सत्र के खुले अधिवेशन में शिक्षा, शिक्षक शिक्षार्थी के हितो पर चिन्तन मनन के अलावा संगठन मांग पत्र के साथ साथ अन्य कई समस्याओ एवं विभिन्न प्रस्तावो पर मंथन उपरान्त विचार कर प्रस्ताव पारित कर सरकार को भेजने पर सहमति हुयी।समापन समारोह का संचालन नेम चंद ने किया। आभार बजरंग ने व्यक्त किया। समारोह में रमेश हर्ष उपनिदेशक शिक्षा निदेशालय का संगठन की और से अभिनंदन किया गया अभिनंदन समारोह में विधायक ताराचंद सारस्वत, डॉ सत्यप्रकाश आचार्य ,बिहारीलाल विश्नोई, किशनदान चारण,रवि आचार्य, ओमप्रकाश बिश्नोई, नरेन्द्र कुमार, मोहनलाल भादू सम्मिलित रहे।इससे पूर्व खुला अधिवेशन जिला उपाध्यक्ष दानाराम एवं अतिरिक्त जिला मंत्री मोहम्मद फैसल के आतिथ्य में आयोजित किया गया जिसमें विभिन्न प्रस्तावो में तृत्तीय श्रेणी शिक्षकों सहित समस्त संवर्ग के स्थानान्तरण एवं पदोन्नति के लिए समाधान की और ध्यान देने का प्रस्ताव पारित किया गया।

राजस्थान शिक्षक संघ (शे) बीकानेर के 63वें जिला स्तरीय शैक्षिक सम्मेलन के दूसरे दिन का खुला अधिवेशन/प्रस्ताव सत्र राजकीय महारानी बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, बीकानेर में सम्पन्न हुआ। जिला प्रवक्ता रविंद्र विश्नोई ने बताया कि उक्त खुले अधिवेशन में संगठन के प्रदेश कार्यकारिणी, जिला कार्यकारिणी एवं ब्लॉक कार्यकारिणी के पदाधिकारियों एंव सदस्यों ने शिक्षण कार्य में आ रही बाधाओं को दूर कर शैक्षणिक उन्नयन का मार्ग प्रशस्त करने से सम्बंधित सुझाव सदन के समक्ष प्रस्तुत किये। अधिवेशन में तृतीय श्रेणी शिक्षकों के स्थानांतरण, शिक्षा नीति की समीक्षा, एमडीएम एवं मुख्यमंत्री बाल गोपाल दुग्ध योजना, छात्रवृत्ति, गणवेश, डीबीटी भुगतान, छात्र आईडी, समय पर पाठ्य पुस्तकों का वितरण, गैर शैक्षणिक कार्यों से मुक्ति, ऑनलाइन कार्यों, रिक्त पदों को भरने, वेतन व्यवस्था, पदोन्नति, प्रबोधकों की सेवा प्रथम नियुक्ति तिथि से मानने, प्रतियोगी परीक्षाओं में एक पारी में ड्यूटी लगाने, सेवारत शिक्षकों को इंटर्नशिप में पूरा वेतन देने, अधिशेष शिक्षकों के समायोजन, 2011 से पूर्व नियुक्त प्राथमिक शिक्षकों के लिए टेट की अनिवार्यता नहीं करने, स्नातक में अतिरिक्त विषय को लेकर सुप्रीम कोर्ट में चल रहे वाद में सीधी भर्ती तथा डीपीसी में क्लियर स्टेंड लेने, महात्मा गांधी अंग्रेजी विद्यालय से सम्बंधित समस्याओं सहित विभिन्न मुद्दों को लेकर आगामी रणनीति तैयार की गई।

नाम परिवर्तन

मेरे पासपोर्ट में मेरा नाम MOHAMMED SADAAM मेरे पिता का नाम MOHAMMED AYUB ओर मेरी माता का नाम NAJMA BANO अंकित था। जब कि मैंने अपना नाम बदलकर मेरा नाम MOHAMMED SADDAM BHATI पिता का नाम MOHAMMED AYUB BHATI माता का नाम NAZMA BONO BHATI रख लिया है। मेरे पासपोर्ट में यही नाम अंकित किया जाये व मेरे पासपोर्ट में मेरे माता पिता के नाम में संशोधन किया जाये। भविष्य में सभी प्रयोजनों के लिए इसी नाम से जाने पहचाने जाये। पताः-

HAMALO KI BARI KE BAHAR, BEHIND MODI KHATRI BAGICHI BIKANER(RAJASTHAN)334001

DATE:25.09.2025

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान खड़गपुर

INDIAN INSTITUTE OF TECHNOLOGY KHARAGPUR

संस्थान निम्नलिखित पदों के लिए भारतीय नागरिकों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित करता है-

ए. विज्ञापन संख्या-आर/09/2025 दिनांक 22 सितम्बर, 2025

1. सहायक रजिस्ट्रार - 2 पद
2. प्रशासनिक अधिकारी - 2 पद

बी. विज्ञापन संख्या- आर/10/2025 दिनांक 26 सितम्बर, 2025

1. विधि अधिकारी - 2 पद

ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि - 21.10.2025

शैक्षिक योग्यता, अनुभव और अद्यतन जानकारी के लिए कृपया देखें-

http://www.iitkgp.ac.in/non-teaching-positions

CBC 21255/12/0015/2526 कुल सचिव/Registrar

व्यक्तिगत रूप से, मैं पिछले साल की तरह ही प्रक्रियाएँ अपना रहा हूँ। हालांकि, जब सुपर 10 मिलने के बाद हम हार रहे थे, तो मैं इससे ज़्यादा खुश नहीं था क्योंकि उस समय माहौल उतना उत्साहपूर्ण नहीं था। - **गगन गौड़ा**

कबड्डी खिलाड़ी, जीत को लय बरकरार रखने को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▶

सनत जयसूर्या

श्रीलंका के मुख्य कोच सनत जयसूर्या को विश्वास नहीं हो रहा था कि श्रीलंका ने दुबई में भारत के ख़िलाफ एशिया कप सुपर फोर मैच आख़िरी ओवर में गंवा दिया है। उनकी यह हार जुलाई 2024 की यादों को ताजा कर गई, जब उन्होंने भारत के ख़िलाफ एक आसान सी दिख रही जीत को गंवा दिया था। पल्लेकेल स्टेडियम में खेले गए उस मैच में श्रीलंका को छह विकेट शेष रहते दो ओवरों में सिर्फ़ नौ रन चाहिए थे। फिर भी वे रिंकू सिंह और सूर्यकुमार यादव की गेंदबाजी के सामने लड़खड़ा गए और मैच सुपर ओवर में चला गया, जहां वे केवल एक रन ही बना पाए।

क्या आप जानते हैं ?... भारत एशिया कप की सबसे सफल टीम है। टीम इंडिया ने अब तक खेले गए 16 सीजन में 8 बार खिताब पर कब्ज़ा जमाया है। अब भारत की नजर 9वें खिताब पर है।

विस्फोटक खिताबी मुकाबले के लिए तैयार भारत-पाकिस्तान

दुबई, 27 सितंबर। क्रिकेट की दुनिया की सबसे बड़ी जंग यहीं है। रविवार रात दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में एशिया कप टी20 टूर्नामेंट के फाइनल में भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबला होगा-इससे बड़ा मुकाबला और क्या हो सकता है। भारत इस मुकाबले में पूरी ताकत से उतरेगा, टूर्नामेंट में अजेय है और पाकिस्तान पर दो जीत पहले ही हासिल कर चुका है। वे एक मिशन पर लगी टीम की तरह दिख रहे हैं।

शीर्ष क्रम में, अभिषेक शर्मा का प्रदर्शन बेहद शानदार रहा है-309 रन, 200 से ज़्यादा का स्ट्राइक रेट और लगातार तीन अर्धशतक। शुभमन गिल का धैर्य, सूर्यकुमार यादव की आतिशी बल्लेबाजी, और तिलक वर्मा व संजू सैमसन का आक्रामक अंदाज-यह बल्लेबाजी विकल्पों से भरी हुई है। तो शिवम दुबे, हार्दिक पांड्या और अक्षर पटेल का निचला क्रम डेथ ओवरों में धमाकेदार प्रदर्शन कर सकता है।

जसप्रीत बुमराह नई गेंद से आग उगल रहे हैं, कुलदीप यादव और अक्षर पटेल बल्लेबाजों को बांधे हुए हैं, और वरुण चक्रवर्ती अपनी रहस्यमयी स्पिन से घातक साबित हुए हैं। भारत के पास विविधता, संतुलन और गहराई है - एक फाइनल में आपको जो कुछ भी चाहिए। हालांकि, पाकिस्तान यहां संयोग से नहीं है। वे लड़खड़ा भी चुके हैं - बांग्लादेश से पूछिए, जिसने 71 रन पर उनका स्कोर 6 विकेट कर दिया था, उसके बाद पाकिस्तान ने वापसी की। लेकिन फाइनल उनके अंदर की लड़ाई को उजागर करता है। फखर जमान एक ऐसे खिलाड़ी हैं जो अगर लय में आ जाएं तो बेकाबू हो सकते हैं। साहिबज़ादा फरहान एंकर हैं। कप्तान सलमान आगा, मोहम्मद हारिस और मोहम्मद नवाज के साथ मिलकर टीम को संभालने की कोशिश करेंगे। लेकिन असली ताकत उनकी गेंदबाजी में है।

नई गेंद से शाहीन अफरीदी बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रहे हैं, हारिस रऊफ किसी भी लाइन-अप को तहस-नहस कर सकते हैं, और युवा सैम अयूब ने अपने आठ विकेट लेकर कमाल कर दिया है। नवाज और अबरार अहमद के समर्थन से, यह एक ऐसा आक्रमण है जो भारत को नुकसान पहुंचा सकता है अगर वे अपनी लय हासिल कर लें।

दुबई की पिच? शुरुआत में तेज गेंदबाज़ों के लिए थोड़ी मदद की उम्मीद करें, बीच में स्पिनर खेल में आएंगे, और फिर ओस लक्ष्य का पीछा करने वालों के लिए काम आसान कर देगी। 180-190 के आसपास का स्कोर जादुई संख्या होगी। मौसम साफ, नम है, और दूधिया रोशनी में धमाकेदार मैच के लिए एकदम सही है। संभावनायें भारत की ओर इशारा करती हैं। फ़ॉर्म भारत की ओर इशारा करता है। लेकिन भारत-पाकिस्तान फाइनल में, आप इन सब बातों को नजरअंदाज़ कर देते हैं। एक बड़ा ओवर, एक तेज स्पेल, और पल भर में कहानी पलट सकती है।

भारत की संभावित प्लेइंग इलेवनः

अभिषेक शर्मा, शुभमन गिल, सूर्यकुमार यादव (कप्तान), तिलक वर्मा, संजू सैमसन (विकेट कीपर), शिवम दुबे, हार्दिक पांड्या, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती।

पाक की संभावित प्लेइंग इलेवनः

सैम अयूब, साहिबज़ादा फरहान, फखर जमान, सलमान आगा (कप्तान), हुसैन तलत, मोहम्मद हारिस (विकेट कीपर), मोहम्मद नवाज, फहीम अशरफ, शाहीन अफरीदी, हारिस रऊफ, अबरार अहमद।

एशिया कप फाइनल से पहले भारत ने फोटो-शूट नहीं किया

दुबई, 27 सितंबर। एशिया कप फाइनल से पहले भारत और पाकिस्तान के खिलाड़ियों के बीच तनाव की स्थिति है। भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव फाइनल से पहले होने वाले फोटो शूट में शामिल नहीं हुए हैं। इतना ही नहीं, टीम इंडिया ने शनिवार को प्रैक्टिस भी नहीं की। टीम ने एक दिन पहले ही प्री-मैच कॉन्फ्रेंस कर दी थी। इधर, पाकिस्तानी कप्तान सलमान अली आगा ने फोटो शूट कैंसिल होने के सवाल पर कहा- उनकी मर्जी, वो जाएं या न जाएं। हम तो सभी प्रोटोकॉल्स फॉलो करेंगे। उन्होंने हाथ नहीं मिलाने पर कहा- मैं 2007 से क्रिकेट खेल रहा हूं। ऐसे कभी नहीं सुना कि टीमों ने आपस में हाथ न मिलाए हों।

पीकेएल-12 : तमिल थलाइवाज ने जयपुर पिंक पैंथर्स का विजय रथ रोका

जयपुर, 27 सितंबरः प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के 12वें सीजन में पिछले लगातार तीन हार के बाद तमिल थलाइवाज आखिरकार जीत की पटरी पर लौट आई है। अर्जुन देशवाल की अगुवाई में थलाइवाज की टीम ने 12वें सीजन के 52वें मैच में शनिवार को यहां सवाई मानसिंह इंडोर स्टेडियम में मेजबान जयपुर पिंक पैंथर्स को 37-28 से हरा दिया। तमिल थलाइवाज की नौ मैचों में यह चौथी जीत है और अब टीम के आठ अंक हो गए हैं और वो आठवें पायदान पर पहुंच गई है। टीम की पिछले तीन मैचों में लगातार तीन हार के बाद यह पहली जीत है। वहीं, जयपुर पिंक पैंथर्स को नौ मैचों में चौथी हार झेलनी पड़ी है। टीम की लगातार तीन जीत के बाद यह पहली हार है और वो 10 अंक लेकर पांचवें नंबर पर है।

राजस्थान के संजय व धर्मेंद्र बीसीसीआई के सीनियर वीडियो एनेलिस्ट बने

जयपुर, 27 सितम्बर। बीसीसीआई द्वारा अहमदाबाद में आयोजित बीसीसीआई जूनियर वीडियो एनेलिस्टएग्जाम में राजस्थान के संजय वीर व धर्मेंद्र मीणा ने भाग लिया व सफलतापूर्वक बीसीसीआई वीडियो एनेलिस्टएग्जाम को पास करते हुई बीसीसीआई के सीनियर विडिओ एनेलिस्टबने। आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डी डी कुमावत व सदस्यों ने राजस्थान के संजय वीर व धर्मेंद्र मीणा को बीसीसीआई का सीनियर विडिओ एनेलिस्टबनने पर बड़ी दी।

राजस्थान -पंजाब (प्रैक्टिस मैच) (मिराज स्टेडीएम) नाथद्वारा : आज से रणजी ट्रॉफी की पूर्व तैयारियों के लिए नाथद्वारा के मिराज स्टेडियम पर राजस्थान - पंजाब टीमों के मध्य दूसरा मल्टी डेज (टेस्ट मैच) प्रैक्टिस मैच शुरू हुआ। पहले दिन का स्कोर :-पंजाब पहली पारी 237/7, टीम के लिए उदय प्रताप सहारण91, निहलवढेरा 52 रन, राजस्थान के गेंदबाज अशोक शर्मा 34/3, जयदीप सिंह राठौर 44 /2 व अनिकेत चौधरी, दीपक चौधरी 1-1 विकेट।

मैदान के बाहर के विवादों से प्रभावित हुआ सूर्यकुमार का प्रदर्शन

दुबई, 27 सितम्बर। सूर्यकुमार यादव ने शुक्रवार को श्रीलंका के खिलाफ मैदान पर आखिरी बार कवर्स में पंच मारकर भारत को सुपर ओवर में जीत दिलाई थी। लेकिन अंत में हुए इस नाटक के शुरू होने से बहुत पहले ही, ऐसा लग रहा था कि वह एक छोटे से खराब प्रदर्शन से प्रभावित होने लगे हैं। भारत के पहले बल्लेबाजी करते समय, जब वह पगबाधा की अपील पर रिव्यू लेने का फैसला किया, तो शायद यह जानते हुए कि वह पगबाधा आउट हो चुके हैं, यह इस बात की पुष्टि करता है कि टी20 क्रिकेट के सबसे खतरनाक बल्लेबाजों में से एक, एक साधारण बल्लेबाज था, जिसने पिछले तीन मैचों में 12, 5 और 0 के स्कोर बनाए थे। ये स्कोर के एक व्यापक समूह का हिस्सा हैं जो ज़्यादा आक्रामक हैं। इस साल दस पारियों में, भारत के टी20 कप्तान ने 110 की स्ट्राइक रेट से तीन शून्य के साथ सिर्फ़ 99 रन बनाए हैं। अगर आप थोड़ा और पीछे जाएँ, जून 2024 में भारत की टी20 विश्व कप जीत के ठीक बाद से लेकर अब तक, तो ये आंकड़े थोड़े ही बेहतर होते हैं।

एमसीए नवंबर में चुनाव कराएगा

मुंबई, 27 सितम्बर। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) नवंबर में अपने चुनाव कराएगा। अभी तारीख तय नहीं हुई है, लेकिन शुक्रवार (26 सितंबर) को हुई शीर्ष परिषद की बैठक में यह फैसला लिया गया। एमसीए ने एक बयान में कहा, "मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन की शीर्ष परिषद ने फैसला किया कि एसोसिएशन के चुनाव नवंबर 2025 में होंगे। यह समय-सीमा अक्टूबर में दिवाली की छुट्टियों को ध्यान में रखते हुए तय की गई है।"

जयपुर पोलो और मेफेयर पोलो टीमों के बीच फाइनल खेला जाएगा

जयपुर, 27 सितम्बर। पीपीसी पोलो ग्राउंड पर अरावली पोलो टीम ओर मेफेयर पोलो टीम के बीच पहला सेमीफाइनल मैच खेला गया जिसमें मेफेयर पोलो टीम ने अरावली पोलो टीम को 3 के मुकाबले 9 गोल से हराया। मेफेयर पोलो टीम की ओर से लोकेंद्र सिंह, सवीर और शमशीर ने अपनी टीम के लिए 1-1 गोल किये। वहीं बतिस्ता ने 6 गोल किए। अरावली पोलो टीम की ओर से जुआन मार्टिन ने 1 ओर कुलदीप सिंह ने 2 गोल किए। रामबाग पोलो ग्राउंड पर दूसरा सेमीफाइनल मैच ऑल स्टार पोलो टीमओर जयपुर पोलो टीम के बीच मैच खेला गया जिसमें जयपुर पोलो टीम को ऑल स्टार पोलो टीम ने 5 के मुकाबले 6 गोल से हराया। जयपुर पोलो टीम की ओर सेमहाराज पद्मनाभ सिंह ने 2 गोल ओर लांस वाटसन ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए 3 गोल और देवेन्द्र सिंह ने 1 गोल किया। ऑल स्टार पोलो टीम की ओर से अशोक चांदना ने 2, मतिहास ने 3 ओर ध्रुवपाल गोदारा ने अपनी टीम के लिए 2 गोल किये।

अब्दुर रज्जाक ने बीसीबी की चयन समिति से दिया इस्तीफा

ढाका, 27 सितंबर। पूर्व राष्ट्रीय बाएं हाथ के स्पिनर अब्दुर रज्जाक ने शनिवार को छह अक्टूबर को होने वाले बंगलादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के चुनाव में शामिल होने के लिए चयन समिति से इस्तीफा दे दिया है। रज्जाक ने श्रेणी 1 से नामांकन पत्र जमा करने के बाद क्रिकबज वेबसाइट को बताया, मैंने बीसीबी चुनाव में शामिल होने के लिए चयनकर्ता पद से इस्तीफा दे दिया है। मैंने एक खिलाड़ी और एक चयनकर्ता के रूप में इस देश की सेवा की है और अब निर्वाचित होने पर निदेशक मंडल में शामिल होकर आगे आने वाली नई चुनौती का सामना करना चाहता हूं। रज्जाक को जनवरी 2021 में चयनकर्ता नियुक्त किया गया था।

मिथुन मन्हास आज बीसीसीआई अध्यक्ष बनने को तैयार

जम्मू, 27 सितंबर। जम्मू-कश्मीर क्रिकेट संघ (जेकेसीए) ने इसे ऐतिहासिक उपलब्धि करार दिया है क्योंकि धरतीपुत्र मिथुन मन्हास कल से भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष बनने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। जेएंडके क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा जारी एक आधिकारिक विज्ञिप्त में कहा गया है कि इस ऐतिहासिक उपलब्धि ने जम्मू-कश्मीर के लोगों को अपार गौरवान्वित किया है और यह क्षेत्र की खेल विरासत के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण है।

युवा और गतिशील खिलाड़ी मन्हास का करियर कई रिकॉर्ड और उपलब्धियों से भरा रहा है। उनके दूरदर्शी नेतृत्व में, जेकेसीए ने क्षेत्र में क्रिकेट के स्तर को ऊंचा उठाते हुए नई ऊंचाइयों को छुआ है। उनके प्रयासों ने न केवल क्रिकेट जगत में जम्मू-कश्मीर की प्रतिष्ठा को बढ़ाया है, बल्कि क्षेत्र के उभरते क्रिकेटरों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर चमकने का एक मंच भी प्रदान किया है। हालाँकि, इसमें लिखा था कि इस खुशी के अवसर पर सुदर्शन मेहता और कुछ असंतुष्ट व्यक्तियों द्वारा जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख उच्च न्यायालय की जम्मू शाखा में दायर एक तुच्छ रिट याचिका ने कुछ समय के लिए ग्रहण लगा दिया, जिसमें मन्हास के चुनाव को आधारहीन और दुराग्रहपूर्ण आधार पर रोकने की मांग की गई थी।

दीनदयाल कुमावत को फिर सौंपी आरसीए की कमान

सरकार ने रिपीट की एडहॉक कमेटी

जयपुर, 27 सितंबर। राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन के चुनाव कराने में विफल हुई एडहॉक कमेटी को सरकार ने एक और मौका दे दिया है। सहकारिता विभाग ने शुक्रवार देर रात आदेश जारी कर एक बार फिर सवाई माधोपुर जिला क्रिकेट संघ के अध्यक्ष दीनदयाल कुमावत को कमेटी का कन्वीनर बनाया है। उनके साथ ही कमेटी के मेंबर्स को भी रिपीट किया है। मोहित यादव, आशीष तिवाड़ी, धनंजय सिंह खींवसर और पिंकेश पोरवाल को फिर से कमेटी में मेंबर बनाया गया है।

राजस्थान की सीनियर महिला क्रिकेट टीम घोषित

जयपुर, 27 सितम्बर। राजस्थान क्रिकेट संघ (आरसीए) की महिला चयन समिति ने शनिवार को 16 सदस्यीय सीनियर महिला क्रिकेट टीम घोषित की। आरसीए की तदर्थ समिति के संयोजक डी डी कुमावत ने बताया कि बीसीसीआई के आगामी घरेलू क्रिकेट सत्र 2025- 26 में सीनियर महिला क्रिकेट प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाली राजस्थान सीनियर महिला टीम का चयन आरसीए द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय सीनियर महिला ट्रॉफी चैलेंजर ट्रॉफी में खिलाडियों के प्रदर्शन के आधार पर किया गया है। आरसीए की 16 सदस्यीय टीम में आयुषी गर्ग, डिम्पल कंवर, चंद्र ज्योत्सना भाटी, संगीता कुमावत, सिद्धी पवन शर्मा, सुमन मीना, ज्योति चौधरी, सोनल कलाल, शनु सेन, कौशल्या चौधरी, अक्षिता माहेश्वरी, बबीता मीना, सुमित्रा जाट, अर्चना योगी, याना वर्मा और गंगा शामिल है।

राजधानी

गीता-गायत्री मंदिर में 1100 कन्याओं-बटुकों का पूजन

फूल बंगले की झांकी सजाकर हलवे-चने का भोग लगाया

जयपुर। गलता गेट स्थित मंदिर श्री गीता गायत्री में शनिवार को पं. राजकुमार चतुर्वेदी के सानिध्य में करीब 1100 कन्याओं-बटुकों का पूजन कर भोजन कराया गया।

मंदिर प्रवक्ता नीतीश चैतन्य चतुर्वेदी ने बताया कि पिछले तीन दशकों से आश्विन एवं शारदीय नवरात्रों में पंचमी को कन्या पूजन की परंपरा निभाई जा रही है। इस अवसर पर माता गीता गायत्री, सिद्धिदात्री एवं वैष्णो माता का पंचामृत तथा दिव्य औषधियों से अभिषेक किया गया। नूतन चुनरी ओढ़ाकर सुहाग की वस्तुएं अर्पित की गईं। फूल बंगले की झांकी सजाकर हलवे-चने का भोग लगाया गया। नौ देवियों के साक्षात स्वरूप की झांकियों के दर्शन कराए गए।

■ **माता गीता गायत्री, सिद्धिदात्री एवं वैष्णो माता का पंचामृत तथा दिव्य औषधियों से अभिषेक किया**

प्रमुख संत-महंतों की उपस्थिति में महाआरती सम्पन्न हुई। आरती के बाद 1100 कन्याओं और बटुकों का पूजन कर उन्हें भोजन कराया गया तथा उपहार एवं भेंट प्रदान की गई।

इस अवसर पर संत समाज अध्यक्ष महामंडलेश्वर सियाराम दास महाराज, घाट बालाजी के स्वामी सुदर्शनाचार्य महाराज, नहर के गणेश जी मंदिर के महंत जय कुमार शर्मा, युवाचार्य मानव कुमार, पंचमुखी हनुमान मंदिर के रामरज महाराज, मेहंदीपुर बालाजी मंदिर के प्रतिनिधि सुदीप तिवारी धर्मप्रचारक विजय शंकर पांडे, शनि धाम के रामशरण महाराज, गणेश धाम भजनपुरा के राजाराम महाराज, प्राचीन श्याम मंदिर रामगंज के महंत पं. लोकेश मिश्रा सहित अनेक संत-महंतों का सान्निध्य प्राप्त हुआ।

गलता गेट स्थित मंदिर श्री गीता गायत्री में पं. राजकुमार चतुर्वेदी के सानिध्य में करीब 1100 कन्याओं-बटुकों का पूजन कर भोजन कराया।

रामलीला में राम संवाद और श्री राम वन गमन का मंचन

जयपुर। आदर्श नगर के श्री राम मंदिर में चल रही श्री रामलीला के अंतर्गत शनिवार को मंथरा-कैकई संवाद, दशरथ-कैकई संवाद, कौशल्या-श्री राम संवाद और श्री राम वन गमन की लीला का मंचन हुआ।

मंचन की शुरुआत अयोध्या नरेश दशरथ के राज दरबार से हुई। राम के राजतिलक की तैयारियां चल रही थीं। तभी दशरथ को सूचना मिली कि महारानी कैकई कोप भवन में चली गई हैं। दशरथ कोप भवन पहुंचे और कैकई से रूठने का कारण पूछा।

कैकई ने राम के राजतिलक का विरोध किया। उन्होंने पूर्व में युद्ध के दौरान दिए वचन की याद दिलाते हुए दो वर दांव पर लगा दिए। पहला वर भरत को राजगद्दी और दूसरा राम को चौदह वर्ष का वनवास। यह सुनकर दशरथ विकल हो गए।

सुप्रीम कोर्ट ने परकोटे के 19 अवैध भवनों को सील करने वाले आदेश पर लगाई रोक

जयपुर। सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट की खंडपीठ के 19 सितंबर के उस आदेश की क्रियांविति पर अंतरिम रोक लगा दी है, जिसमें परकोटे में अवैध तौर पर चिन्हित 19 भवनों को सील करने का निर्देश दिया था। वहीं मामले में राजस्थान हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल सहित अन्य से चार सप्ताह में जवाब देने के लिए कहा है। जस्टिस विक्रम नाथ व जस्टिस संदीप मेहता की खंडपीठ ने यह निर्देश मै. श्री अठावाल कंस्ट्रक्शन कंपनी व अन्य की एसएलपी पर सुनवाई करते हुए दिया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हाईकोर्ट ने कमिश्नर को चिन्हित 19 भवनों को सील करने का निर्देश दिया है। जबकि कमेटी ने अदालत के 9 अप्रैल 2025 के आदेश की पालना में अपनी रिपोर्ट नहीं दी है। ऐसे में हाईकोर्ट की खंडपीठ के आदेश की क्रियांविति पर रोक लगाई जाती है।

एसएलपी में कहा कि हाईकोर्ट ने 9 अप्रैल के आदेश से पीएस यूडीएच की अध्यक्षता में बनी कमेटी को इन भवनों के प्रतिनिधियों की व्यक्तिगत सुनवाई करने के लिए कहा था। साथ ही इसकी रिपोर्ट दो महीने में पेश करने का निर्देश दिया था। अभी तक इस कमेटी की रिपोर्ट पेश नहीं हुई है, लेकिन उसके बाद भी हाईकोर्ट की खंडपीठ ने प्रार्थी सहित 19 भवनों को सील करने का निर्देश दिया है जो गलत है। इसलिए हाईकोर्ट की खंडपीठ के आदेश की क्रियांविति पर रोक लगाई जाए। हाईकोर्ट ने शहर के परकोटे में आवासीय इलाके में व्यावसायिक गतिविधियों पर स्वप्रेरित प्रसंज्ञान लेते हुए राज्य सरकार व नगर निगम से रिपोर्ट देने के लिए कहा था। अदालत ने कहा था कि रिहायशी इलाके में व्यावसायिक गतिविधियां चलाना पूरी तरह से कानूनी प्रावधानों का उल्लंघन है।

वहीं हाईकोर्ट ने पूर्व में माना था कि ये 19 भवन पूरी तरह से अवैध हैं और अदालत ने इस संबंध में प्रमुख यूडीएच सचिव की कमेटी बनाकर उसे रिपोर्ट देने के लिए कहा था। वहीं 12 भवनों को आंशिक तौर पर अवैध माना था।

जयपुर रीजन में आने वाली चारागाह भूमि का उपयोग कर सकता है जेडीए : हाईकोर्ट

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने कहा कि जेडीए एक्ट की धारा 2(8) के तहत जयपुर रीजन में आने वाली भूमि शहरी भूमि की श्रेणी में आती है। ऐसे में धारा 54 के तहत जेडीए ऐसी भूमि को सेज स्थापित करने के लिए आवंटित कर सकता है। इसके साथ ही अदालत ने सेज से जुड़ी भूमि के संबंध में दायर जनहित याचिका को खारिज कर दिया है।

जस्टिस इन्द्रजीत सिंह और जस्टिस भुवन गोयल की खंडपीठ ने यह आदेश रामकरण व अन्य की ओर से दायर जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने कहा कि संबंधित भूमि का सार्वजनिक उपयोग किया जा रहा है और याचिकार्ताओं ने प्रभावितों को याचिका में पक्षकार नहीं बनाया है। वहीं इस भूमि को साल 2008 में अधिठाहित किया गया था, जबकि याचिका सात साल की देरी से साल 2015 में दायर की गई है।

याचिका में कहा गया कि पूर्व में स्थानीय सरपंच ने जनहित याचिका दायर की थी। जिसमें कहा गया दूसरी भूमि उपलब्ध कराए बिना जेडीए ने गोचर भूमि को अवाप्त कर लिया। याचिका का निस्तारण करते हुए हाईकोर्ट ने विभाग को याचिकाकर्ता का अभ्यावेदन तय करने को कहा था, लेकिन प्रमुख राजस्व सचिव ने अभ्यावेदन खारिज कर दिया। याचिका में कहा गया कि वे स्थानीय ग्रामीण है। जेडीए ने भूमि अधिग्रहित करते समय चारागाह के लिए दूसरी समान भूमि नहीं दी और धारा 54 के आधार पर अभ्यावेदन को खारिज किया गया। ऐसे में अधिग्रहण को खारिज किया जाए। इसका विरोध करते हुए जेडीए की ओर से अधिवक्ता अमित कुड़ी ने कहा कि जेडीए एक्ट की धारा 2(8) के तहत जयपुर रीजन में आने वाली भूमि शहरी भूमि की श्रेणी में आती है और धारा 54 के तहत सार्वजनिक प्रयोजन के लिए इस भूमि का उपयोग करने के लिए जेडीए स्वतंत्र है। इसके अलावा भूमि अवाप्त कर रीको को दी गई और बाद में इसे महिंद्रा वर्ल्ड सिटी को आवंटित की गई। वर्तमान में यहां कई शैक्षिणक संस्थान और उद्योग आदि चल रहे हैं। वहीं इसी बिंदु पर पूर्व में जनहित याचिका पेश हो चुकी है। दोनों पक्षों को सुनने के बाद अदालत ने जनहित याचिका को खारिज कर दिया है।

चौथ पर्व पर बहीं आस्था की बाहर

जयपुर। आस्था का केंद्र श्री अमरापुर दरबार में प्रेम प्रकाश मंडल के संस्थापक मंगलमूर्ति आचार्य सदगुरु स्वामी टेऊँराम महाराज की पावन चौथ पर्व शनिवार को भक्तिभाव से मनाया गया ।

प्रातः काल की मधुर वेला में प्रातः 6 बजे आचार्य श्री के दिव्य मंगला दर्शन 7 से साढ़े 8 बजे नित्य नियम प्रार्थना, संत महात्माओं के सानिध्य में भजन संकीर्तन, आचार्य श्री की महिमा का गुणगान गुरु प्रार्थना का पाठ आदि कार्यक्रम किए गए ।सायंकाल 4.बजे महिला मंडल के सानिध्य में सामूहिक चालीसा एवं जन्म सखी पाठ संपन्न हुए। जिसके पश्चात संतो के सानिध्य में आचार्य सद्गुरु सतगुरु स्वामी टेऊँराम महाराज द्वारा रचित ठांथ ब्रह्म दर्शनी का संगीतमय पाठ का आयोजन किया गया ।

जयपुर रीजन में आने वाली चारागाह भूमि का उपयोग कर सकता है जेडीए : हाईकोर्ट

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने कहा कि जेडीए एक्ट की धारा 2(8) के तहत जयपुर रीजन में आने वाली भूमि शहरी भूमि की श्रेणी में आती है। ऐसे में धारा 54 के तहत जेडीए ऐसी भूमि को सेज स्थापित करने के लिए आवंटित कर सकता है। इसके साथ ही अदालत ने सेज से जुड़ी भूमि के संबंध में दायर जनहित याचिका को खारिज कर दिया है। जस्टिस इन्द्रजीत सिंह और जस्टिस भुवन गोयल की खंडपीठ ने यह आदेश रामकरण व अन्य की ओर से दायर जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने कहा कि संबंधित भूमि का सार्वजनिक उपयोग किया जा रहा है और याचिकार्ताओं ने प्रभावितों को याचिका में पक्षकार नहीं बनाया है। वहीं इस भूमि को साल 2008 में अधिठाहित किया गया था, जबकि याचिका सात साल की देरी से साल 2015 में दायर की गई है।

याचिका में कहा गया कि पूर्व में स्थानीय सरपंच ने जनहित याचिका दायर की थी। जिसमें कहा गया दूसरी भूमि उपलब्ध कराए बिना जेडीए ने गोचर भूमि को अवाप्त कर लिया। याचिका का निस्तारण करते हुए हाईकोर्ट ने विभाग को याचिकाकर्ता का अभ्यावेदन तय करने को कहा था, लेकिन प्रमुख राजस्व सचिव ने अभ्यावेदन खारिज कर दिया। याचिका में कहा गया कि वे स्थानीय ग्रामीण है। जेडीए ने भूमि अधिठाहित करते समय चारागाह के लिए दूसरी समान भूमि नहीं दी और धारा 54 के आधार पर अभ्यावेदन को खारिज किया गया। ऐसे में अधिग्रहण को खारिज किया जाए। इसका विरोध करते हुए जेडीए की ओर से अधिवक्ता अमित कुड़ी ने कहा कि जेडीए एक्ट की धारा 2(8) के तहत जयपुर रीजन में आने वाली भूमि शहरी भूमि की श्रेणी में आती है और धारा 54 के तहत सार्वजनिक प्रयोजन के लिए इस भूमि का उपयोग करने के लिए जेडीए स्वतंत्र है। इसके अलावा भूमि अवाप्त कर रीको को दी गई और बाद में इसे महिंद्रा वर्ल्ड सिटी को आवंटित की गई। वर्तमान में यहां कई शैक्षिणक संस्थान और उद्योग आदि चल रहे हैं।

उद्यिमता प्रदर्शनी का आयोजन

जयपुर। सप्त शक्ति आर्मी वीमेन वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा स्त्री शक्ति-25 नामक बहुआयामी उद्यिमता प्रदर्शनी का सफल आयोजन जवाहर कला केंद्र, जयपुर में किया गया। यह आयोजन सैन्य परिवारों एवं आशा स्कूल (विशेष रूप से सक्षम बच्चों का स्कूल) के बच्चों की उद्यिमता भावना, दृढ़ता और रचनात्मक प्रतिभा का उत्सव रहा। इस अवसर ने नवाचार और समावेशिता के माध्यम से सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम रखा।

प्रदर्शनी का उद्घाटन राजस्थान सरकार के मुख्य सचिव की पत्नी छवि पंत ने किया। उन्होंने सप्तशक्ति आवा उद्यिमता एवं समावेशिता को बढ़ावा देने के प्रयासों की सराहना की।

आनंद मेले के साथ बंगाली समाज का दुर्गा महोत्सव शुरू

जयपुर। आश्विन शुक्ल पंचमी को बंगाली समाज का दुर्गा पूजा महोत्सव का श्रीगणेश हुआ। आधा दर्जन से अधिक स्थानों पर राजधानी में निवास कर रहे पश्चिम बंगाल के लोगों ने मां दुर्गा की आराधना की। आनंद मेले से दुर्गा पूजा महोत्सव का शुभारंभ हुआ। आनंद मेले में पश्चिम बंगाल के पारंपरिक व्यंजनों का माता रानी को भोग लगाकर सभी ने आपस में एक-दूसरे को खिलाया।

बनीपार्क स्थित दुर्गाबाड़ी में दुर्गा पूजा महोत्सव के पहले दिन ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु उमड़ पड़े। जयपुर दुर्गाबाड़ी एसोसिएशन के वरिष्ठ अध्यक्ष, अध्यक्ष एवं अन्य पदाधिकारियों ने मंत्रोच्चार के साथ 15 फीट ऊंची महिषासुर मर्दिनी देवी की संगमरमर की प्रतिमा, भगवान गणेश, देवी लक्ष्मी, देवी सरस्वती, भगवान कार्तिकेय का पूजन कर आरती उतारी। संगमरमर प्रतिमा के साथ ही मिट्टी की प्रतिमा की पूजा की। इन्हीं प्रतिमाओं के समक्ष सिंदूर उत्सव तथा विसर्जन के प्रमुख अनुष्ठान सम्पन्न होंगे।

कोलकाता के कुशल कारीगरों द्वारा तैयार किए गए भव्य पांडाल की सभी ने मुक्त कंठ से सराहना की। पचास फीट ऊंचे प्रवेश द्वार से होते हुए श्रद्धालुओं ने पांडाल में प्रवेश किया। तीन सौ फीट लंबा मार्ग को कोलकाता की जमीदार बाड़ी की शैली में पिंकसिटी थीम पर सजाया गया है।

प्रधानमंत्री ने बीएसएनएल के स्वदेशी 4जी नैटवर्क का उद्‌घाटन किया

मुख्यमंत्री भजनलाल कार्यक्रम में जयपुर से जुड़े, लाभार्थियों से संवाद किया

झारसुगुड़ा/जयपुर, 27 सितंबर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि बीएसएनएल की स्वदेशी 4जी नेटवर्क सेवाओं के माध्यम से देश ने आत्मनिर्भरता की तरफ एक बड़ा कदम उठाया है। भारत की कंपनियों ने देश को दुनिया के उन पांच देशों की सूची में ला खड़ा किया है, जिनके पास 4 जी सेवाएं शुरु करने की पूरी तरह स्वदेशी टेक्नोलॉजी है। मोदी शनिवार को ओडिशा के झारसुगुड़ा से बीएसएनएल की 4जी नेटवर्क सेवा के शुभारंभ समारोह को संबोधित कर रहे थे।

प्रधानमंत्री ने कहा कि जब टेलीकॉम की दुनिया में 2जी, 3जी, 4जी जैसी सेवाएं शुरू हुईं तो उनमें भारत बहुत पीछे रह गया था। इन तकनीकों के लिए भारत विदेशों पर ही निर्भर था, ऐसी स्थिति देश के लिए ठीक नहीं थी। इसलिए हमने संकल्प लिया कि टेलीकॉम सेक्टर की यह जरूरी टेक्नोलॉजी देश में ही विकसित हो। मोदी ने कहा कि हमारे लिए गौरव की बात है कि बीएसएनएल ने अपने ही देश में पूरी तरह स्वदेशी 4जी टेक्नोलॉजी विकसित कर ली है। अपनी मेहनत और कुशलता से बीएसएनएल ने नया इतिहास रच दिया है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि बीएसएनएल की स्वदेशी 4जी सेवाओं का सबसे अधिक फायदा आदिवासी क्षेत्रों के साथ ही, दूर-दराज के गांवों को होगा। अब वहां के लोगों को भी बेहतरीन डिजिटल सेवाएं मिल पाएंगी। इससे बच्चों को ऑनलाइन क्लास लेने में, सुदूर क्षेत्र के किसानों को अपनी फसल का मूल्य जानने में तथा मरीजों को टेलीमेडिसिन के जरिए चिकित्सकों से सलाह लेने में सुविधा होगी। इसके साथ ही, सीमावर्ती तथा दुर्गम क्षेत्रों में तैनात हमारे जवानों को भी इसका बड़ा लाभ मिलेगा, वे सुरक्षित कनेक्टिविटी के साथ आपस में बात कर पाएंगे। मोदी ने कहा कि बीएसएनएल के आज शुरू हुए टॉवर आसानी से 5जी सेवाओं के लिए भी अपलोड हो सकेंगे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा इस कार्यक्रम में जयपुर के सीतापुरा स्थित जेईसीसी में आयोजित कार्यक्रम के माध्यम से वर्चुअली जुडे। अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा कि बीएसएनएल के 25 साल पूरे होने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा भारत में बीएसएनएल के 92 हजार 633 4जी टावरों का उद्‌घाटन किया गया है। इनमें से 5 हजार 655 टावर राजस्थान में स्थापित किए गए हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ओडीसा में बीएसएनएल के स्वदेशी 4 जी नैटवर्क शुरु किया। मुख्यमंत्री भजनलाल इस कार्यक्रम में बीएसएनएल के अधिकारियों, राजनेताओं व राज्य के अधिकारियों के साथ वर्चुअली जुड़े।

- **मोदी ने कहा कि भारत अब विश्व के उन पाँच देशों में शामिल हो गया है, जिनके पास 4जी सेवा की पूरी स्वदेशी टैक्नॉलजी है।**

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज डिजिटल भारत निधि परियोजना के माध्यम से बीएसएनएल और अन्य दूरसंचार सेवा प्रदाता 27 हजार 106 गांवों में 4जी कनेक्टिविटी ला रहे हैं। उन्होंने कहा कि 18 हजार 903 टावर पहले ही तैयार हो चुके हैं, जो 26 हजार से ज्यादा गांवों को कवर करते हुए लगभग 20 लाख घरों को सेवा प्रदान कर रहे हैं।

बीएसएनएल राजस्थान के मुख्य महाप्रबंधक विक्रम मालवीय ने कहा कि प्रधानमंत्री की डिजिटल भारत पहल से ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में कनेक्टिविटी का मार्ग प्रशस्त हुआ है। उन्होंने बीएसएनएल की प्रगति में मुख्यमंत्री के सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। इस दौरान, मुख्यमंत्री ने बीएसएनएल 4जी सेवा के लाभार्थियों से आत्मीय संवाद भी किया। कार्यक्रम में सांसद मंजू शर्मा सहित, बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे।

'निर्दोष लोगों पर फायरिंग से जनता का भरोसा टूटा है'

लद्दाख के शीर्ष भाजपा नेता और पूर्व सांसद जे. नामग्याल ने उपराज्यपाल को चिट्ठी लिखकर दुख जताया

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- **नामग्याल ने कहा, इस संकट से धैर्य से निपटा जाना चाहिए था। दमनकारी एक्शन से जहाँ तक हो बचना चाहिए।**
- **नामग्याल ने हिंसा की न्यायिक जाँच की माँग की और कहा, लद्दाख बहुत नाज़ुक मोड़ पर है। हमारे लोगों का बलिदान व्यर्थ नहीं जाना चाहिए।**

नई दिल्ली, 27 सितम्बर। लद्दाख के एक शीर्ष भाजपा नेता ने सरकार के स्थिति संभालने के तरीके और बुधवार को सुरक्षा बलों की गोलीबारी में चार प्रदर्शनकारियों के मारे जाने पर सवाल उठाए हैं। न्यायिक जांच की मांग करते हुए, जामयांग त्सेरिंग नामग्याल, जो इस क्षेत्र में भाजपा के प्रमुख नेता और पूर्व सांसद हैं, ने कहा है कि निर्दोष लोग मारे गए हैं और "हमारे युवाओं के बलिदान व्यर्थ नहीं जाने चाहिए।"

लद्दाख के उप राज्यपाल को लिखे पत्र में नामग्याल ने कहा कि निहत्थे प्रदर्शनकारियों पर गोलीबारी से जनता का भरोसा डगमगा गया है। उन्होंने एक समयबद्ध एवं निष्पक्ष जांच की मांग की है। पत्र में नामग्याल ने कहा है, "यह गंभीर चिंता का विषय है। इस संकट को अधिक धैर्यपूर्वक संभाला जा सकता था। जहाँ हिंसा और आगजनी की निंदा की जानी चाहिए, वहीं निहत्थे प्रदर्शनकारियों पर गोलीबारी ने जनता का भरोसा हिला दिया है।"

लद्दाख को राज्य का दर्जा एवं संवैधानिक सुरक्षा दिये जाने की मांग कर रहे प्रदर्शनकारी बुधवार को हिंसक हो गए। एक झुंड ने भाजपा कार्यालय, लद्दाख हिल काउंसिल कार्यालय जलाया और पुलिस तथा सेन्ट्रल रिजर्व पुलिस फोर्स (सीआरपीएफ) की गाड़ियों को आग लगा दी। भीड़ ने पुलिस और सुरक्षा बलों पर पत्थरबाजी भी की। पुलिस के अनुसार, पत्थरबाजी में करीब 30 पुलिस और सीआरपीएफ जवान घायल हुए।

जवाब में सुरक्षा बलों ने गोली चलाई, जिसमें चार लोगों की मौत हो गई और अन्य बहुत से घायल हो गए।

नामग्याल ने उपराज्यपाल कवीन्दर गुप्ता को भेजे गये अपने पत्र में कहा है, "मैं भारी मन से, लद्दाख के लोगों की ओर से और व्यक्तिगत रूप से तथा 17वीं लोकसभा के पूर्व सदस्य के नाते, 24 सितम्बर 2025 को लेह में हुई दुखद घटना पर गहरा दुःख और अफसोस व्यक्त करता हूँ। जो शुरू में शांतिपूर्ण लोकतांत्रिक अभिव्यक्ति थी, वह हिंसा में बदल गई, जिससे चार युवाओं की जान गई, कई घायल हुए, संपत्ति को नुकसान पहुँचा और हमारा समुदाय भयग्रस्त हो गया।"

पत्र में नामग्याल ने लिखा, "लद्दाख एक नाज़ुक दौर से गुज़र रहा है और हमारे युवाओं के बलिदान व्यर्थ नहीं जाने चाहिए।"

नामग्याल उस समय लद्दाख के भाजपा सांसद थे, जब अगस्त 2019 में जम्मू-कश्मीर के बंटवारे के बाद, लद्दाख को अलग केन्द्र शासित प्रदेश बनाया गया था और इसे इसके विशेष दर्जे से वंचित कर दिया गया था।

नामग्याल ने कहा, पूरे "लद्दाख में व्यापक पीड़ा है और नागरिक निर्दोष मृतकों के लिए न्याय, घायल लोगों के लिए राहत और ऐसी त्रासदी दोबारा न हो, इसकी गारंटी चाहते हैं।"

लद्दाख में न्यायिक जांच की मांग तेज हो रही है गोलीबारी में मारे गए चार लोगों के शव गुरुवार को परिवारों को सौंपे जाने के बाद, इस घटना की न्यायिक जांच की मांग जोर पकड़ती जा रही है। मृतकों में से एक पूर्व सैनिक भी था, जो लद्दाख स्काउट्स का सदस्य था।

यह संकट तब शुरू हुआ, जब प्रदर्शनकारी उस स्थल से बाहर निकले, जहाँ ऐक्टिविस्ट सोनम वांगचुक भूख हड़ताल कर रहे थे। वांगचुक को शुक्रवार को कड़े राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (नैशनल सिक्योरिटी एक्ट-एनएसए)) के तहत गिरफ्तार कर लिया गया।

जहाँ सरकार ने वांगचुक पर हिंसा भड़काने का आरोप लगाया, वहीं लद्दाखी नेताओं ने प्रदर्शनकारियों पर सुरक्षा बलों की अनियंत्रित गोलीबारी का आरोप लगाते हुए, उन लोगों के खिलाफ कार्यवाही की मांग की, जो नागरिकों पर गोली चलाने में शामिल थे।

लद्दाख के सांसद हाजी हनीफा जान ने कहा, "यह सुरक्षा बल के अंधाधुंध प्रयोग का स्पष्ट मामला है। मैं प्रदर्शनकारियों के मारे जाने और कई लोगों को आईं चोटों की निष्पक्ष और न्यायिक जांच की मांग करता हूँ।"

यह मांग करने वालों में लेह एपेक्स बॉडी और लद्दाख बुद्धिस्ट एसोसिएशन भी शामिल हैं। लद्दाख के इन दोनों प्रभावशाली संगठनों ने वांगचुक के हिंसा में शामिल होने के दावों और लेह में हुए प्रदर्शनों में किसी बाहरी हाथ के होने के आरोपों को खारिज किया है। उनका कहना है कि कुछ लोग, जो जम्मू-कश्मीर के डोडा के रहने वाले थे और बुधवार को घायल हुए, "वे तो उस समय वहां खड़े हुए थे, और अंधाधुंध गोलीबारी के दौरान वे घायल हुए।"

तमिलनाडु में एक्टर विजय की रैली में भगदड़, 31 की मौत

एक्टर विजय की करुर में आयोजित रैली में मची भगदड़ में मृतकों में 16 महिलाएं, 9 पुरुष व 6 बच्चे शामिल हैं

- **विजय की रैली में भारी भीड़ उमड़ी कई लोग बेहोश होने लगे, इस पर विजय ने अपना भाषण रोक दिया लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की और वहां से चले गए।**
- **मुख्यमंत्री स्टालिन ने घटना पर दुख जताया और प्रशासन को उचित कदम उठाने के निर्देश दिए।**

तमिलनाडु, 27 सितंबर। तमिलनाडु के करूर में एक्टर विजय की रैली में शनिवार शाम को भगदड़ मच गई। इसमें 31 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में 16 महिलाएं, 9 पुरुष और 6 बच्चे शामिल हैं। तमिलनाडु के स्वास्थ्य मंत्री एम ए सुब्रमणियन ने यह जानकारी दी। हादसे में 30 से ज्यादा लोग घायल हो गए।

आशंका जताई जा रही है कि मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है।

जानकारी के मुताबिक, अभिनेता से नेता बने विजय की पार्टी तमिलगा वेट्री कजगम यानी की रैली में बड़ी संख्या में लोग पहुंचे थे। विजय के भाषण के दौरान भीड़ बढ़ ने से भगदड़ जैसे हालात बन गए।

भीड़ में फंसने से कई लोगों को सांस लेने में परेशानी हुई और कई लोग और कार्यकर्ता बेहोश होने लगे। हालात बिगड़ते देख विजय ने भाषण रोक दिया और लोगों से शांति की अपील की। इसके बाद वे भाषण छोड़कर निकल गए। सीएम एमके स्टालिन ने कहा कि विजय की रैली में भगदड़ जैसी स्थिति और कई लोगों के अस्पताल में भर्ती होने की खबर मिली। करूर प्रशासन से मिली जानकारी चिंताजनक है। स्वास्थ्य मंत्री सुब्रमण्यम और जिला कलेक्टर को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने को कहा है। मंत्री अंबिल महेश को भी मदद मुहैया कराने के निर्देश दिए हैं।

सीएम स्टालिन ने कहा कि उन्होंने शीर्ष पुलिस अधिकारियों को करूर में सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए उचित कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। सीएम स्टालिन ने करूर में आम जनता से डॉक्टरों और पुलिस के साथ सहयोग करने की अपील की। करूर में रैली के दौरान अभिनेता और राजनेता विजय ने पूर्व मंत्री सैंथिल बालाजी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि एक पूर्व मंत्री ने गलत कारण से जिले को देश भर प्रसिद्ध बना दिया है। डीएमके ने करूर में हवाई अड्डा बनाने का वादा किया था, लेकिन अब उसने केंद्र से हवाई अड्डा बनाने का आग्रह किया है।

इससे पहले नमक्कल में अभिनेता विजय ने रैली की। यहां भी रैली में भारी भीड़ उमड़ी। विजय ने भाजपा के खिलाफ अपना पुराना रुख दोहराया और एआईएडीएमके के साथ उनके गठबंधन को अवसरवादी बताया। उन्होंने कहा कि यह गठबंधन सिर्फ राजनीतिक फायदे के लिए किया गया है और जनता को इससे कोई लाभ नहीं मिलेगा। विधानसभा चुनाव 2026 में तमिलनाडु की सत्तारूढ़ डीएमके को वोट देना भाजपा को वोट देना होगा।

4-5 अक्टूबर को चुनाव आयोग का बिहार दौरा

नयी दिल्ली, 27 दिसंबर। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के नेतृत्व में चुनाव आयोग की टीम बिहार में विधानसभा चुनावों की तैयारियों की समीक्षा के लिए चार और पांच अक्टूबर को बिहार का दौरा करेगी।

चुनाव आयोग के अधिकारियों ने यहां यह जानकारी देते हुए कहा कि इससे पहले भारत निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त पर्यवेक्षकों (सामान्य, पुलिस एवं व्यय) की एक संक्षिप्त बैठक भी 3 अक्टूबर को नयी दिल्ली के द्वारका में आयोग के "भारतीय अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र और चुनाव प्रबंधन संस्थान (आईआईआईडीईएम)" में आयोजित की जाएगी।

डेरा सच्चा सौदा को 8 साल बाद बैंक खाते वापस मिल

सिरसा, 27 सितंबर। पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय ने सिरसा स्थित डेरा सच्चा सौदा ट्रस्ट को शिक्षण संस्थानों, अस्पताल और रोजाना खर्च के लिए बैंक खातों के संचालन की छूट दे दी है।

गौरतलब है कि इससे पहले न्यायालय के एक आदेश पर डेरा सच्चा-सौदा से जुड़े शिक्षण संस्थानों व अस्पताल को चलाने के लिए सिरसा के उपायुक्त, सिविल अस्पताल के डिप्टी सीएमओ, जिला शिक्षा अधिकारी और दो सरकारी स्कूलों के रिटायर्ड प्रिंसिपलों पर आधारित एक गवर्निंग बॉडी का गठन किया हुआ था जो इनका संचालन कर रही थी।

उल्लेखनीय है कि डेरा प्रमुख गुरमीत सिंह को 25 अगस्त 2017को पंचकूला सीबीआई अदालत द्वारा सजा सुनाए जाने के बाद सिरसा ,पंचकूला व कुछ अन्य स्थलों पर हिंसा फैल गई थी। फैली इस हिंसा में 32 लोगों की मौत हो गई थी और 118 करोड़ रुपए से अधिक की सरकारी व गैर सरकारी संपत्ति का नुकसान हुआ था।

उसके बाद पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के आदेश पर डेरा सच्चा सौदा सिरसा के सभी बैंक खाते सील कर दिए गए थे।

तीन दिन बाद लेह में कर्फ्यू में ढील, पर मोबाइल इंटरनैट बंद

लद्दाख के एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक की गिरफ्तारी के बाद से मोबाइल इंटरनैट बंद है

- **लद्दाख पुलिस प्रशासन ने बताया कि कर्फ्यू में ढील के दौरान हालात शांतिपूर्ण रहे।**
- **लेह के सामाजिक -धार्मिक व राजनैतिक संगठनों के समूह लेह एपैक्स बॉडी ने कहा कि हिंसक विरोध प्रदर्शन में वांगचुक की कोई भूमिका नहीं थी।**

श्रीनगर, 27 सितंबर। लद्दाख के लेह में राज्य का दर्जा और छठी अनुसूची के सुरक्षा उपायों की मांग को लेकर हुए हिंसक विरोध प्रदर्शनों में चार लोगों की मौत और 100 से ज़्यादा घायल होने के तीन दिन बाद शनिवार, को कर्फ्यू में ढ ील दी गई।

अधिकारियों ने बताया कि ढ ील के दौरान स्थिति शांतिपूर्ण रही।

इससे पहले दिन में लद्दाख के पुलिस महानिदेशक एस.डी. सिंह जामवाल ने कहा कि लेह में कर्फ्यू में चरणबद्ध तरीके से ढ ील दी जाएगी। उन्होंने कहा, "हम कर्फ्यू को लेकर सबसे ज़्यादा चिंतित हैं। हमारा मुख्य उद्देश्य क्षेत्र में शांति लाना है और हम लोगों की समस्याओं को समझते हैं।"

अधिकारियों ने बताया कि जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को लद्दाख पुलिस द्वारा राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) के तहत हिरासत में लिए जाने और राजस्थान की जोधपुर जेल में स्थानांतरित किए जाने के एक दिन बाद सुरक्षा हाई अलर्ट पर है। लेह पुलिस ने यात्रियों की आवाजाही पर नज़र रखने के लिए कई जगहों पर नाके लगाए हैं।

एक अधिकारी ने कहा, "बुधवार की हिंसा के बाद, कहीं से भी किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली।" वांगचुक की गिरफ़्तारी के बाद से निलंबित मोबाइल इंटरनेट सेवाएँ अभी भी बंद हैं।

लद्दाख में बुधवार से ही तनाव व्याप्त है, जब केंद्र शासित प्रदेश को राज्य का दर्जा और छठी अनुसूची का दर्जा देने की माँग को लेकर वांगचुक की भूख हड़ताल के दौरान हिंसक विरोध प्रदर्शन हुए। झड़पों में चार लोगों की मौत हो गई और दर्जनों घायल हो गए। दो दिन बाद, वांगचुक को राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसस) के तहत हिरासत में ले लिया गया।

लद्दाख प्रशासन ने हिरासत को उचित ठहराते हुए कहा कि लेह में "शांति और सामान्य स्थिति बहाल करने" और आगे कानून-व्यवस्था की स्थिति को बिगड़ने से रोकने के लिए यह आवश्यक था। अधिकारियों ने कहा कि वांगचुक के "भड़काऊ" भाषणों, नेपाल आंदोलन, अरब स्प्रिंग के संदर्भों और "भ्रामक वीडियो" की श्रृंखला ने 24 सितंबर को हिंसक अशांति को जन्म दिया। सामाजिक-धार्मिक और राजनीतिक संगठनों के एक समूह, लेह एपेक्स बॉडी (एलएबी) ने हालांकि कहा कि विरोध प्रदर्शनों के दौरान हुई हिंसा में वांगचुक की कोई भूमिका नहीं थी।

राहुल गांधी विदेश दौरे पर रवाना

नयी दिल्ली, 27 सितंबर। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी दक्षिण अमेरिका के चार देशों की यात्रा पर रवाना हो गए हैं।

कांग्रेस संचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने शनिवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि गांधी इस यात्रा के दौरान, दक्षिण अमेरिका के ब्राज़ील कोलंबिया सहित चार देशों के राजनीतिक नेताओं, विश्वविद्यालय के छात्रों और व्यापारिक समुदाय के सदस्यों से मिलेंगे। कांग्रेस के एक अन्य सूत्र ने कहा "गांधी की यह महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक यात्रा है। भारत और दक्षिण अमेरिका ने गुटनिरपेक्ष आंदोलन, वैश्विक दक्षिण में एकजुटता और बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था के प्रति प्रतिबद्धता के माध्यम से लंबे समय से अपने रिश्ते साझा किए हैं। गांधी की यह यात्रा इस परंपरा को जारी रखते हुए व्यापार, प्रौद्योगिकी, स्थिरता और लोगों के बीच आपसी आदान-प्रदान में सहयोग के नए रास्ते खोलेगी।"

निर्मला सीतारमण के खिलाफ मानहानि केस में फैसला रिर्ज़व

- **एडिशनल जूडिशियल मजिस्ट्रेट की कोर्ट आप नेता सोमनाथ भारती की पत्नी लिपिका की याचिका पर 8 अक्टूबर को फैसला सुनाएगी।**

नयी दिल्ली, 27 सितंबर। दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट की एडिशनल ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट फर्स्ट क्लास पारस दलाल की अदालत ने केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के खिलाफ दायर आपराधिक मानहानि याचिका पर संज्ञान लेने के मामले में अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। अदालत ने इस पर आठ अक्टूबर को आदेश सुनाने का दिन तय किया है।

यह आपराधिक मानहानि याचिका आम आदमी पार्टी (आप) के नेता और विधायक सोमनाथ भारती की पत्नी लिपिका मित्रा ने दायर की है। अदालत ने इससे पहले 23 मई को इस याचिका पर सुनवाई करते हुए निर्मला सीतारमण को नोटिस जारी किया था।

लिपिका मित्रा का आरोप है कि 2024 के लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान निर्मला सीतारमण ने प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में उनके खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की। याचिका के अनुसार, सीतारमण ने 17 मई 2024 को एक बयान में सोमनाथ भारती और लिपिका मित्रा के वैवाहिक विवाद का जिक्र राजनीतिक लाभ उठाने के उद्देश्य से किया।

सदा की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सेक्शन के निर्माण और भागलपुर-दुमका-रामपुरहाट रेल लाइन को डबल करने को मंजूरी दी, जिससे बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल के बीच कनेक्टिविटी और मजबूत हो जायेगी।

बरेली में दो दिन के लिए इंटरनैट बंद

- **सांप्रदायिक तनाव के बाद सरकार ने कई सख्त कदम उठाए। विवाद की जांच के लिए विशेष जांच दल गठित।**

लखनऊ, 27 सितंबर। उत्तर प्रदेश के बरेली में शुक्रवार को जुम्मे की नमाज़ के बाद हुई पत्थरबाज़ी के अब सरकार ने बड़ा निर्णय लेते हुए इंटरनेट सेवाएं बंद करने का फ़ैसला किया है। इस बीच, जुमे की नमाज के बाद बवाल का मामला में घटना की जाँच के लिए एसआईटी का गठन किया गया है।

प्रदेश के गृह सचिव गौरव दयाल के निर्देश पर बरेली में दूरसंचार (इंटरनेट) सेवाएं निलंबित रहेंगी। इसकी अवधि 48 घंटे रहेगी। इंटरनेट सेवा को 27 सितंबर को को रात साढ़े बारह बजे से 29 सितंबर को रात 1230 बजे तक निलंबित किया गया है। बरेली जिले में 27 और 28 सितंबर को टेलीकॉम सेवाएं बंद रहेंगी।

एक पाकिस्तानी नागरिक गिरफ्तार ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अस्थिरता भारत की व्यापक सुरक्षा रणनीति को कमजोर कर सकती है, खासकर चीन और पाकिस्तान से जुड़ी जटिल चुनौतियों का सामना करने में।"

स्थिति तब और उलझ गई, जब सरकार ने आरोप लगाया कि मौजूदा आंदोलन का चेहरा, सोनम वांगचुक के पाकिस्तान से संबंध हो सकते हैं। लद्दाख पुलिस और सीबीआई ने वांगचुक की गतिविधियों की जांच शुरू की है, जिसमें विदेशी फंडिंग नियमों के कथित उल्लंघन और फरवरी में उनके पाकिस्तान दौरे को खंगाला जा रहा है।

अधिकारियों का दावा है कि हाल ही में गिरफ्तार एक पाकिस्तानी नागरिक ने वांगचुक के विरोध प्रदर्शन के वीडियो सीमा पार भेजे थे, जिससे सीमा पार से रुचि या समन्वय की आशंका बढ़ गई है। अधिकारियों ने यह भी आरोप लगाया कि वांगचुक ने "अरब स्प्रिंग" और "जनरेशन ज़ैड क्रांतियों" का जिक्र करते हुए, उकसाने वाले भाषण दिए, जो हालिया हिंसा के भड़कने का कारण हो सकते हैं।

तथापि, वांगचुक ने सभी आरोपों को खारिज किया है। उनका कहना है कि उनका आंदोलन पूरी तरह शांतिपूर्ण है और स्थानीय परेशानियों पर आधारित है, किसी विदेशी एजेंडा पर नहीं। वे जोर देकर कहते हैं कि विरोध प्रदर्शन राज्य का दर्जा और संवैधानिक सुरक्षा जैसे अधूरे वादों से उपजी नाराजगी का नतीजा हैं। उनके कथित पाकिस्तान संबंधों का कोई ठोस सबूत अब तक सार्वजनिक नहीं हुआ है और न ही कोई औपचारिक आरोप तय किए गए हैं।

फिर भी, लद्दाख जैसा रणनीतिक रूप से संवेदनशील इलाका होने के कारण, विदेशी दखल की आशंका मात्र भी हालात को गंभीर बना देती है। सुरक्षा विशेषज्ञ चेतावनी देते हैं कि अगर ऐसे दावे मजबूत होते हैं तो उन्हें स्थानीय विरोध को बाहरी प्रभाव का हिस्सा बताया जा सकता है, जिससे सुरक्षा कड़ी करने और असंतोष पर नियंत्रण बढ़ाने को जायज ठहराया जा सकता है।

इसके गंभीर नतीजे हो सकते हैं। अशांत लद्दाख भारत, चीन सीमा "लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल (एलएसी) पर सुरक्षा का ध्यान भटका सकता है, जहां चीन लगातार अपनी स्थिति मजबूत कर रहा है। यह स्थानीय सहयोग को कमजोर कर सकता है, जो खुफिया जानकारी जुटाने और सैनिकों को समर्थन देने के लिए जरूरी है। यह दुश्मनों को प्रोपेगेंडा, गलत सूचना या गुप्त दखल के अवसर भी दे सकता है और भारत की सीमा नीति को जटिल बना सकता है, जहां चीन और पाकिस्तान की मिलीभगत का खतरा हमेशा बना रहता है।

चेलानी का कहना है, बीजिंग का रिकॉर्ड बताता है कि वह भारत के सीमावर्ती इलाकों में आंतरिक खामियों, जैसे इन्फ्रास्ट्रक्चर विकास में देरी या राजनीतिक अलगाव, का फायदा उठाकर सामरिक और मानसिक बढ़त हासिल करने की कोशिश करता रहा है। ऐसे में, सीमा पार प्रभाव के आरोप, चाहे अप्रमाणित ही क्यों न हों, आपसी भरोसे को कमजोर कर सकते हैं और राष्ट्रीय एकता को चोट पहुंचा सकते हैं।

चेलानी ने सोच समझकर गैर दमनकारी कदम उठाने की सलाह दी है। उनका कहना है, नई दिल्ली को स्थानीय समुदायों से लगातार संवाद करना चाहिए, भरोसा बनाने के लिए सार्थक कदम उठाने चाहिए और ऐसे उपायों से बचना चाहिए, जो लोगों को और दूर कर दें। वे चेतावनी देते हैं कि कठोर कदम केवल नाराज़गी को और बढ़ाएंगे तथा हाशिये पर धकेले जाने की धारणा को मजबूत करेंगे, जिसका फायदा विरोधी ताकतें आसानी से उठा सकती हैं।

तनाव कम करने के लिए विशेषज्ञ आर्थिक अवसर, बुनियादी ढांचे और पर्यावरण सुरक्षा में समानांतर निवेश की सलाह देते हैं। खासकर युवाओं के लिए रोजगार सृजन और शासन व स्वायत्तता की मांगों पर ठोस प्रगति लंबे समय तक स्थिरता का आधार बन सकती है। चेलानी का कहना है, ये प्रयास न केवल स्थानीय आकांक्षाओं को पूरा करेंगे, बल्कि बाहरी ताकतों द्वारा असंतोष का फायदा उठाए जाने का खतरा भी कम करेंगे।

संदेश साफ है, लद्दाख में शांति बहाल करना सिर्फ आंतरिक व्यवस्था का मामला नहीं है, बल्कि यह भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए भी बेहद अहम है। चीनी सैनिकों के विवादित चोटियों पर डटे रहने और पश्चिमी मोर्चे पर पाकिस्तान की सक्रियता के बीच लद्दाख भारत की हिमालयी रक्षा का केन्द्र है। यहां की कोई भी आंतरिक हलचल पूरे उत्तरी मोर्चे पर असर डाल सकती है।

चेलानी की चेतावनी एक तत्कालिक हकीकत दिखाती है, भारत अपनी सबसे संवेदनशील रणनीतिक सीमा पर अस्थिरता बर्दाश्त नहीं कर सकता। राजनीतिक संवाद, आर्थिक भागीदारी और संवेदनशील शासन का संतुलित मेल ही यह सुनिश्चित कर सकता है कि लद्दाख भारत की संप्रभुता का किला बना रहे, कमज़ोरी नहीं।

ऑनलाइन स्टॉक मार्केट घोटाले का मास्ट माइंड निकला चीन का नागरिक

- **पुलिस ने इस मामले में दो आरोपियों साहिल यादव और आर्यन की गिरफ्तारी की थी**

नयी दिल्ली, 27 सितंबर। दिल्ली अपराध शाखा की साइबर सेल ने एक बड़े ऑनलाइन स्टॉक मार्केट घोटाले का पर्दाफाश करते हुए दो मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस संगठित ठगी सिंडिकेट ने भोले-भाले निवेशकों को पहले झूठे मुनाफे और फिर निवेश डूब जाने के डर के जाल में फंसाकर 47 लाख रुपये से अधिक की ठगी की थी

पुलिस उपायुक्त साइबर सेल आदित्य गौतम ने शनिवार को बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान साहिल यादव (25) और आर्यन (22) के रूप में हुई है। चौंकाने वाली बात यह है कि ये दोनों आरोपी कथित तौर पर चीन में बैठे एक नागरिक के इशारे पर काम कर रहे थे। साइबर सेल ने दर्ज प्राथमिकी के आधार पर जांच शुरू की, तो पता चला कि शिकायतकर्ता को टेलीग्राम ग्रुप के माध्यम से फंसाया गया था, जहाँ 'बाय टुडे-सेल टुमॉरो' और आईपीओ रेटिंग के नाम पर त्वरित और बड़े मुनाफे का लालच दिया गया। ठगों ने शिकायतकर्ता को एक फर्जी वेबसाइट पर निवेश करने के लिए प्रेरित किया। शिकायतकर्ता ने दो महीनों के भीतर करीब 47 लाख रुपये की राशि आईएमपीएस, एनईएफटी और यूपीआई के माध्यम से कई निजी बैंक खातों में ट्रांसफर कर दिए। जब पीड़ित ने अपने पैसे निकालने का प्रयास किया, तो ठगों ने धमकाना शुरू कर दिया और और अधिक पैसे जमा करने का दबाव डाला।

जांच में पता चला कि ठगी की रकम को हर्षिता फर्नीचर्स एंड इंटीरियर्स नामक एक आईडीएफसी फर्स्ट बैंक खाते में जमा किया गया। इसके बाद 23.80 लाख रुपये बबाई इंस्टेंट शॉप ओपीसी प्राइवेट लिमिटेड के इंडसइंड बैंक खाते में भेजे गए। इस फर्जी फर्म का मालिक साहिल यादव था, जबकि रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर आर्यन के नाम पर था। आरोपियों ने इंडसइंड, एचडीएफसी, यस बैंक, आईडीएफसी फर्स्ट, एयू स्मॉल फाइनेंस, बंधन और इक्विटास जैसे कई बैंकों में सात खाते खोल रखे थे, जिनका उपयोग ठगी के पैसे की लॉन्ड्रिंग के लिए किया गया। इस फर्म के खिलाफ पहले ही एनसीआरपी (नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल) पर 89 शिकायतें दर्ज थीं।

मार्डन मीडिया, बीकानेर के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 35214/79, **जयपुर कार्यालय:** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, **कोटा कार्यालय :** पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, **उदयपुर कार्यालय:** आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, **अजमेर कार्यालय:-**राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, **जालोर कार्यालय :-** जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :-** जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 **चूरू कार्यालय :** एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908

UEM श्रद्धावान लभते ज्ञानम्
UNIVERSITY OF ENGINEERING & MANAGEMENT
Good Education, Good Jobs

University of Engineering & Management

IEM - UEM Group | Jaipur

IEM & UEM Institutions are Founded and Managed by IITians and Majority of Faculty are IITians

INDIAN UNIVERSITY RATINGS QS I-GAUGE PLATINUM & DIAMOND | BEST COLLEGES OF INDIA 2024 INDIA TODAY | Times Higher Education Impact Rankings 2024 | GU GLOBAL UNIVERSITY RANKINGS | nirf NATIONAL INSTITUTIONAL RANKING FRAMEWORK | SHALBY ACADEMY | AIMA ALL INDIA MANAGEMENT ASSOCIATION | UGC | AICTE APPROVED | NAAC ACCREDITED | AIU MEMBER | BOARD OF APPRENTICESHIP TRAINING (NORTHERN REGION)

UEM Jaipur is Ranked in The Top Position in North India under Institutions Innovation Council by Ministry of Education, Govt. of India

Industry Associated Dual Degree Program

CSE DATA SCIENCE - SAS | CSE CLOUD COMPUTING & VISUALIZATION | BBA DIGITAL BUSINESS - IIDE | BBA IN MEDIA MANAGEMENT

"Students may opt for Dual Degree Programs - for example, a student may select Civil Engineering as major degree with CSE as minor degree or vice-versa"

Scholarships UPTO 100%

for Rajasthan Girls Student

100% FEE WAIVER	95% OR ABOVE IN (10+2)
75% " "	80% OR ABOVE IN (10+2)
50% " "	75% OR ABOVE IN (10+2)
25% " "	70% OR ABOVE IN (10+2)

- SC-ST Scholarship (as per Government Rules)
- Scholarship for IEMJEE Candidates
- Scholarship for Sports Candidate
- Scholarship for Rajasthan Girl Students

B.TECH M.TECH | BCA MCA | BBA MBA | BPT MPT | MBA Executive MBA HHM | Post Graduate Diploma in Yoga

Ph.D Admission Notification 2025-26

Eligibility and Admissions Criteria as per the UGC Guidelines & Regulations

Applications are invited from highly motivated and research-oriented candidates for the Ph.D Programme in the following disciplines:

Scan QR Code for Registration

- Computer Science & Engineering
- Mechanical Engineering
- Electrical Engineering
- Civil Engineering
- Electronics & Communication Engineering
- Management
- English
- Physics
- Chemistry
- Mathematics

CENTRE FOR FOREIGN LANGUAGES
German | French | Japanese
Mandarin (Chinese)

Placements at UEM JAIPUR Continue till the last willing student is Satisfactory Placed

All students of 2025 passout batch received Job Offers

80% Students got Multiple Job Offers

STUDENTS PLACED 2863+ | JOB OFFERS 3895+

645+ COMPANIES VISITED

Only few SEATS are Left

2nd Rank in Rajasthan by The Prestigious Times Engineering Ranking Survey 2025

Academic Partners
tcs TATA CONSULTANCY SERVICES | IBM | sas | IIDE THE DIGITAL SCHOOL | CAMBRIDGE

Foreign University Collaborations
UNLV | 岩手県立大学 | Brunel University London | RICHARD A. CHAIFETZ SCHOOL OF BUSINESS SAINT LOUIS UNIVERSITY | GIIM

More than 18000+ Certification
HARVARD BUSINESS SCHOOL | coursera | LinkedIn Learning | Infosys Springboard | CAMBRIDGE | IBM | edX

Study Abroad Program for Meritorious Students
USA, CANADA, UK, AUSTRALIA & SINGAPORE

5 Industry Established Labs

Leading University for 6G Projects, Govt. of India

APPLY ONLINE: www.uem.edu.in

Admissions Office will Remain Open on Sunday

Campus: 'Gurukul', Udaipuria Mod, Sikar Road, 6 Kms. from Chomu, Jaipur - 303807 (Raj.)
City Office: 210-212, IInd Floor, Apex Tower, Lalkothi, Tonk Road, Jaipur | M: 9887933330

9887313330, 9887433330
9887413330, 9887153330